दैनिक
# भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-117 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 22 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

**भीम प्रज्ञा अलर्ट**

खुद को इतना मजबूत बनाओ कि बुरा वक्त आते ही वह खुद शर्मिंदा हो जाए।' -

## सम्पादकीय



एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

**मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है**

## कुशीनगर का ज्ञानोदय बुद्ध विहार शांति, इतिहास और आध्यात्मिक चेतना का स्मरणीय पड़ाव

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में बौद्ध स्थलों का विशेष महत्व रहा है। ये स्थल केवल ऐतिहासिक धरोहर ही नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और ज्ञान की जीवित परंपरा के प्रतीक भी हैं। ऐसी ही एक अविस्मरणीय यात्रा के दौरान हमारे भ्रमण दल को कुशीनगर स्थित ज्ञानोदय बुद्ध विहार में रात्रि विश्राम का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह अनुभव केवल एक पड़ाव नहीं था, बल्कि आध्यात्मिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़ा एक गहरा संस्मरण बन गया। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हमारा यात्रा दल बौद्ध पर्यटक स्थलों के अध्ययन और दर्शन के उद्देश्य से निकला था। नेपाल के लुंबिनी में भगवान बुद्ध की जन्मस्थली के दर्शन के बाद हम कुशीनगर की ओर बढ़े, जहाँ भगवान बुद्ध का परिनिर्वाण हुआ था। कुशीनगर विश्व भर के बौद्ध श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक पवित्र और ऐतिहासिक स्थल है। यहाँ पहुँचने से पहले हमें जिस बुद्ध विहार में ठहरने का अवसर मिला, वह अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण और रोचक अनुभव से भरा हुआ था। कुशीनगर स्थित भदन्त ज्ञानेश्वर बुद्ध विहार में प्रवेश करते ही एक अलग ही प्रकार की शांति और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव हुआ। यह स्थान केवल एक विश्राम स्थल नहीं, बल्कि बौद्ध चेतना और अध्ययन की परंपरा को जीवित रखने वाला केंद्र प्रतीत हुआ। इस विहार से हमारे दल के वरिष्ठ साथी आर.के. सिंह के भी कुछ महत्वपूर्ण संस्मरण जुड़े हुए हैं। उनके परामर्श और प्रेरणा से यहाँ अतिथि गृह के दो कमरों का निर्माण भी कराया गया है, जो इस स्थान से उनके आत्मीय संबंध को दर्शाता है। इस बुद्ध विहार के प्रेरक भिक्षु महेंद्र जी हैं, जो अपने गुरु भदन्त ज्ञानेश्वर की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए यहाँ सेवा कार्य कर रहे हैं। भदन्त ज्ञानेश्वर का परिनिर्वाण हो चुका है, लेकिन उनकी शिक्षाएँ और उनके द्वारा स्थापित यह विहार आज भी बौद्ध धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

जैसे ही हमारा यात्रा दल बुद्ध विहार के परिसर में पहुँचा, वहाँ की शांत और रमणीय वातावरण ने मन को तुरंत आकर्षित कर लिया। प्रवेश द्वार से भीतर जाते ही भगवान बुद्ध की अत्यंत सुंदर प्रतिमाएँ दिखाई देती हैं, जो स्वर्णिम आभा में अत्यंत दिव्य प्रतीत होती हैं। वहीं दूसरी ओर भारत के संविधान निर्माता और महान बौद्ध चिंतक डॉ. भीमराव अंबेडकर की स्वर्णिम रंग की आदमकद प्रतिमा भी स्थापित है। यह दृश्य बौद्ध धर्म और आधुनिक सामाजिक चेतना के बीच एक गहरा संबंध दर्शाता है। हमारे साथ यात्रा में शामिल साहित्यकार डॉ. रूपचंद गौतम ने भिक्षु महेंद्र जी से एक रोचक प्रश्न पूछा– 'दुनिया भर में भगवान बुद्ध की अधिकांश प्रतिमाओं का रंग स्वर्णिम ही क्यों होता है? '

इस प्रश्न के उत्तर में भिक्षु महेंद्र जी ने अत्यंत रोचक और तथ्यपरक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि स्वर्ण रंग केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, प्रकाश और आध्यात्मिक ऊँचाई का भी प्रतीक माना जाता है। बौद्ध परंपरा में स्वर्णिम आभा ज्ञान और करुणा की दिव्यता को दर्शाती है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न देशों में बुद्ध की प्रतिमाओं की आकृति और शैली अलग-अलग हो सकती है, जो वहाँ की सांस्कृतिक परंपराओं और कलात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। भिक्षु महेंद्र जी ने यह भी बताया कि वर्तमान समय में विश्व के लगभग 42 देशों में तथागत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं के अनुयायी हैं। यही कारण है कि दुनिया भर से लोग कुशीनगर आते हैं, जहाँ भगवान बुद्ध ने अंतिम समय में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। यह स्थान केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक आध्यात्मिक तीर्थ बन चुका है। ज्ञानोदय बुद्ध विहार का वातावरण अत्यंत शांत, स्वच्छ और व्यवस्थित है। यहाँ बने हुए अतिथि कक्षों का आकार और सुविधाएँ इतनी उत्कृष्ट हैं कि वे किसी आधुनिक होटल से कम प्रतीत नहीं होते। विशेष रूप से विश्रामगृह के कमरे इतने सुव्यवस्थित और आरामदायक हैं कि दिन भर की यात्रा की थकान कुछ ही क्षणों में दूर हो जाती है। हमारे दल को कमरा संख्या 103 और 104 में ठहरने की व्यवस्था दी गई। कमरे में प्रवेश करते ही एक सुकून भरा वातावरण महसूस हुआ। बाहर का शांत परिसर, बुद्ध प्रतिमाओं की दिव्य उपस्थिति और भीतर की सादगी—ये सभी मिलकर मन को गहरी शांति प्रदान करते हैं। दिन भर के भ्रमण के बाद हमारे दल ने बुद्ध विहार के किचन में स्वयं ही भोजन बनाने का निर्णय लिया। भिक्षु महेंद्र जी ने किचन की सारी व्यवस्था हमें सौंप दी और स्वयं अध्ययन के लिए अपने कक्ष की ओर चले गए। हमारे दल के सदस्यों ने मिलकर अपने हाथों से भोजन तैयार किया और फिर बड़े आनंद के साथ स्वरुचि भोजन का आनंद लिया।

भोजन के बाद सभी सदस्य विश्राम के लिए अपने-अपने कमरों में चले गए। मैं दैनिक भीम प्रज्ञा संपादक एडवोकेट हरेश पंवार स्वयं विश्रामगृह के कमरा नंबर 104 के बेड नंबर तीन पर बैठा इस पूरी यात्रा के अनुभवों को स्मरण कर रहा था। मध्य रात्रि की शांति में जब पूरा परिसर शांत था, तब उस वातावरण में एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति हो रही थी। ऐसा लग रहा था मानो यह स्थान केवल विश्राम का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और चिंतन का भी केंद्र हो। कुशीनगर और ज्ञानोदय बुद्ध विहार का यह अनुभव मेरे जीवन के सबसे स्मरणीय क्षणों में से एक बन गया है। यहाँ की शांति, भिक्षु महेंद्र जी की ज्ञानवर्धक बातचीत, सुंदर बुद्ध प्रतिमाएँ और ऐतिहासिक वातावरण—इन सभी ने मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

**अंततः** यह कहा जा सकता है कि कुशीनगर का यह ज्ञानोदय बुद्ध विहार केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का संगम है। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति केवल दर्शन ही नहीं करता, बल्कि एक ऐसी अनुभूति लेकर लौटता है जो जीवन भर उसके मन में शांति और प्रेरणा का स्रोत बनी रहती है। यही कारण है कि यह यात्रा केवल एक भ्रमण नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव की एक ऐसी कहानी बन गई है जो हमेशा स्मृतियों में जीवित रहेगी।

# राजस्थान और मध्यप्रदेश भाई-भाई: सीएम मोहन यादव

### दोनों राज्यों के बीच सहयोग से विकास की नई संभावनाएं खुल सकती हैं

**भीम प्रज्ञा न्यूज**

**जयपुर ।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजस्थान और मध्यप्रदेश के रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा- राजस्थान और मध्यप्रदेश भाई-भाई हैं। दोनों राज्यों के बीच सहयोग से विकास की नई संभावनाएं खुल सकती हैं।



मुख्यमंत्री यादव ने बताया- पार्वती, कालीसिंध और चंबल रिवर लिंक प्रोजेक्ट दोनों राज्यों के साझा विकास की महत्वपूर्ण परियोजना है। इससे जल प्रबंधन, कृषि और औद्योगिक विकास को बड़ा लाभ मिलेगा।

निवेश केवल पूंजी का आगमन नहीं है, बल्कि इससे रोजगार सृजन, कौशल विकास और तकनीकी साझेदारी को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने दावा किया कि मध्यप्रदेश अब स्पष्ट नीतियों, तेज निर्णय प्रक्रिया और मजबूत प्रशासन के कारण निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बन चुका है। जयपुर में मध्यप्रदेश सरकार का इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट रोड शो आयोजित किया गया, जिसमें मोहन यादव ने उद्योग जगत के सामने राज्य की निवेश नीतियों, प्रोत्साहन योजनाओं और औद्योगिक संभावनाओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन ह्रश्ष्ट राजपूताना में किया गया। 2026 को कृषि वर्ष मनाने की घोषणा यादव ने साल 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य खेती को उद्योग से जोड़ना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। फूड प्रोसेसिंग, डेयरी, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन और एग्री-लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में उन्होंने भजन लाल शर्मा की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्य मिलकर विकास की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। रोड शो के दौरान उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित की गई, जिनमें निवेशकों को नई औद्योगिक नीति, प्रोत्साहन पैकेज, भूमि उपलब्धता और लॉजिस्टिक नेटवर्क की जानकारी दी गई। कई उद्योग समूहों ने संभावित परियोजनाओं को लेकर सरकार के साथ प्रारंभिक चर्चा भी की।

## शाहजहांपुर में अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद, ईदगाह में अदा की नमाज़

**भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।**

**रमेशचंद ।** नीमराना उपखंड के ग्राम शाहजहांपुर कस्बे में शनिवार को मुस्लिम समाज द्वारा ईद का त्योहार अकीदत, भाईचारे और प्रेम भावना के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। शुक्रवार रात चांद दिखाई देने के बाद शनिवार को पूरे उत्साह के साथ ईद मनाई गई। शनिवार सुबह कस्बे के ईदगाह मैदान में मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए, जहां ईद की नमाज़ अदा की गई। जामा मस्जिद के मौलाना हाजी सुलेमान ने नमाज़ अदा कराई। सुबह करीब 8:15 बजे से 9 बजे तक नमाज़ का सिलसिला चला। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा कीं। मौलाना हाजी सुलेमान ने अपने संदेश में कहा कि ईद का त्योहार प्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है, जो हमें मिल-जुलकर रहने और आपसी सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। त्योहार के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था को



लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। थाना प्रभारी प्रक्रिता चौधरी, एएसआई ओम प्रकाश, कांस्टेबल पंकज सहित पुलिस बल ईदगाह मैदान में तैनात रहा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी गई। इस मौके पर मोहम्मद हनीफ, ठेकेदार नसीब अली खान (चौबारा), डॉ. फतेह मोहम्मद, मुसद्दीलाल, राजूदीन, मजहर अनवर खान, यासीन, बाबू बेग, नसीम बैग, अब्दुल रहमान, सोफीन इकबाल, निजामुद्दीन सहित मुस्लिम समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

## फतेहाबाद में एलपीजी आपूर्ति सुचारू, 36 सिलेंडर जब्त कर की कार्रवाई

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।**

**रजत विजय रंगा ।** जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शनिवार को विभाग की टीमों ने विभिन्न स्था,नों पर निरीक्षण करते हुए अनुचित तरीके से उपयोग किए जा रहे 36 सिलेंडर जब्त कर कार्रवाई की। डीएफएससी कुशल बूरा ने बताया कि विवाह-शादियों के लिए भी गैस की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभाग को अब तक कमर्शियल सिलेंडर के लिए 62 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 12 स्थानों पर 56 सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। शेष स्थानों पर भी आवश्यकता के अनुसार आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी उपभोक्ता को गैस प्राप्त करने के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है।डीएफएससी के अनुसार 21 मार्च को 6044 नए रिफिल प्राप्त हुए हैं। पहले से मौजूद 11,940 सिलेंडरों के साथ अब जिले में कुल 17,984 घरेलू सिलेंडर उपलब्ध हैं। तीनों गैस कंपनियां प्रतिदिन नियमित रूप से आपूर्ति कर रही हैं। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले की सभी 23 गैस एजेंसियां सामान्य रूप से कार्य कर रही हैं और उपभोक्ता अपनी संबंधित एजेंसी से निर्धारित प्रक्रिया के तहत गैस प्राप्त करते रहें।

## मंडावर में ईद की नमाज़ के साथ गूंजा अमन-ओ-चैन का पैगाम, गले मिलकर बांटी मोहब्बत की सौगात

**भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।**

**मनोज खंडेलवाल ।** शनिवार को ईदुल फितर का मुबारक मौका मंडावर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में रौनक, रूहानियत और आपसी भाईचारे के रंग में सराबोर नजर आया। सुबह की पहली किरण के साथ ही मुस्लिम समाज के लोगों में ईद की खुशियों की हलचल दिखाई देने लगी। 'ईद आई तो दिलों में उजाला भर गया, हर चेहरा आज मोहब्बत का आईना बन गया। इस जज्बे के साथ लोग नए और सजीले लिबास में पाखर रोड स्थित जामा मस्जिद पहुंचे, जहां इमाम मौलाना अब्दुल्ला की इमामत में अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान मुल्क में अमन-ओ-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद मस्जिद परिसर में तकबीरों और



मुबारकबाद का सिलसिला शुरू हुआ, जहां 'गले मिलना भी एक इबादत बन गया' की मिसाल पेश करते हुए लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके पश्चात जरूरतमंदों और मासूम बच्चों को ईदी बांटकर इंसानियत और रहमत का संदेश दिया गया, जो इस पर्व की असली रूह को बयां करता है। त्यौहार के मद्देनजर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा, जिससे नमाज शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी। नमाज के बाद बाजारों में भी रौनक चरम पर रही, जहां लोग अपने परिचितों और रिश्तेदारों से मिलकर मुबारकबाद देते नजर आए। घरों में पहुंचकर परिवारजनों ने खीर, सेवइयां और लजीज पकवानों के साथ ईद की खुशियों को साझा किया, जहां 'मिठास सिर्फ व्यंजनों में नहीं, बल्कि रिश्तों में भी घुलती नजर आई। ' मंडावर के साथ-साथ गढ़ हिम्मत सिंह, कोट और नांगल मेव की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा कर लोगों ने अल्लाह की बारगाह में दुआएं मांगी और भाईचारे का पैगाम दिया। इस मौके पर डॉ. आमीन पठान, शरीफ खान, जहूर खान, शमशेर खान, जाकिर खान, नजीर खान, डॉ. सरफराज खान, अमीर खान, ताज खान, शब्बीर खान, सुभान खान, सुबे खान, वहीद खान, मौला खान सहित सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे। ईद का यह मुकद्दस त्यौहार एक बार फिर यह संदेश दे गया कि 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा '—जहां मोहब्बत, भाईचारा और इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म बनकर उभरा।

## आज चिड़ावा आएंगे पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पत्नी भी रहेंगी साथ

**भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।**

देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज चिड़ावा और बख्तावरपुरा आएंगे। उनके साथ उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ भी इस दौरे में शामिल रहेंगी। हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व उपराष्ट्रपति के रिश्ते में भतीजे महेन्द्र धनखड़ ने जानकारी देते हुए



बताया कि वे सुबह करीब 10 बजे दिल्ली से रवाना होंगे और दोपहर लगभग 1 बजे चिड़ावा पहुंचेंगे।चिड़ावा पहुंचने पर पूर्व उपराष्ट्रपति अपने पारिवारिक सदस्य व रिश्ते में बड़े भाई चौधरी कॉलोनी स्थित रामजीलाल धनखड़ की कुशलक्षेम जानेंगे और परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बख्तावरपुरा के लिए रवाना होंगे। कार्यक्रम के बाद वे अपनी पत्नी के साथ पुनः दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

## सिंघाना: ईदगाह में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, हिंदू-मुस्लिम भाइयों ने गले मिल दी मुबारकबाद

### अमन-चैन की दुआ: सामूहिक नमाज के बाद मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां, जनप्रतिनिधियों ने भी दी पावन पर्व की बधाई

**भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।**

नगरपालिका क्षेत्र सिंघाना में शनिवार को ईद-उल-फितर का पर्व पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक सौहार्द के साथ मनाया गया। कस्बे के मुख्य ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से ईद की नमाज अदा की। इस दौरान हजारों हाथ मुल्क की खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन की दुआ के लिए एक साथ उठे। नमाज के बाद ईदगाह के बाहर जो नजारा दिखा, उसने साम्प्रदायिक सौहार्द की एक अनुपम मिसाल पेश की। नमाज संपन्न होते ही हिंदू-मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाई खिलाकर खुशियां बांटीं। इक़बाल खान ने बताया कि सिंघाना की यह 'गंगा-जमुनी तहजीब' दशकों पुरानी है, जो हर त्योहार के साथ और मजबूत होती जा रही है।

### प्रतिनिधियों ने दीं शुभकामनाएं

इस पावन अवसर पर कस्बे के विभिन्न राजनैतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि ईदगाह पहुंचे और मुस्लिम समुदाय के लोगों को गले लगाकर पर्व की बधाई दी। शुभकामनाएं देने वालों में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.पी. सैनी, एससी कांग्रेस बुहाना के ब्लॉक अध्यक्ष बाबूलाल कालोडिया, ब्लॉक सचिव नरेंद्र शर्मा और पूर्व सरपंच ओमप्रकाश गुप्ता प्रमुख रूप से



शामिल रहे। इनके साथ ही पूर्व अध्यक्ष विजय पांडे, पार्षद श्रीराम, नोरंग डांगी, अजीत, रणजीत, ईश्वर सिंह और राजू सहित कई अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

### समाज के प्रबुद्ध जन रहे मौजूद

मुस्लिम समुदाय की ओर से नमाज और मुबारकबाद के इस मौके पर इकबाल खान, रफीक खान, शौकत मणियार, मैनुद्दीन मणियार, आमीन खान, ईदु खान, बरकत खान, शकूर, सलीम खान, उस्मान, शब्बीर, इब्राहिम, पीरू, शौकत अली, अयूब खान, अनवर (मौलाना शाहिद), मौलाना समस तबरेज और यासीन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहें। सामाजिक युवा कार्यकर्ता डी.पी. सैनी ने कहा कि ईद का यह पर्व हमें मिल-जुलकर रहने और एक-दूसरे की खुशियों में शरीक होने की प्रेरणा देता है। सिंघाना की यह एकता हमेशा कायम रहनी चाहिए।

साड़ी ऐसा परंपरागत परिधान है जो भारतीय महिलाओं की खास पसंद है। साड़ी की खासियत यह है कि इसे महिलाएं हर बार नए लुक व नए अंदाज में पहन सकती है। जिससे वे साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है। साथ ही पार्टी में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

# साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है

साड़ी को न केवल महिलाएं बल्कि शादी समारोहों सहित अन्य खास मौकों पर कॉलेज गोइंग गर्ल भी पहनती हैं लेकिन साड़ी बांधने का अलग अंदाज आपको भी शादी, पार्टी व अन्य मौकों पर खास बना सकता है। आपका साड़ी बांधने का अंदाज पार्टी में सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जानिए साड़ी बांधने के कौन-कौन से तरीके आप आजमा सकती हैं।

यह स्टाइल सीजन में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें आपको साड़ी को घुटने के पास से टाइट रखना होता है और नीचे की ओर से घेरा नजर आता है। आप इस स्टाइल को ब्राइट कलर्स के साथ आजमा सकती है।यदि साड़ी पर फ्लोरल प्रिंट होगा तो वो अलग निखर आएगा और आपको पार्टी में सभी के बीच अलग ही लुक प्रदान करेगा।

### लहंगा स्टाइल लुक

इन दिनों लहंगा स्टाइल की साडि़यों का भी काफी क्रेज दिखाई दे रहा है। अधिकांश शादी समारोह में युवतियां भी इस इस स्टाइल को काफी लाइक कर रहीं हैं। घांघरा स्टाइल के लिए प्लीट्स की मदद से साड़ी को बंधा जाता है। प्लीट्स के जरिए बांधी गई साड़ी आपको लहंगे का लुक प्रदान करती है।

### रेट्रो लुक

साड़ी पहनने के परंपरागत स्टाइल को आप जूड़े के साथ मैच करने को रेट्रो लुक कहते हैं। यदि आप पतली हैं तो यह लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। इस लुक का प्रयोग आप बाजार में आने जाने के लिए भी कर सकते हैं। रेट्रो लुक की साड़ी शादी के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी पहनी जा सकती है।

### ब्लाउज भी नये पैटर्न में

अलग अलग लुक में जहां महिलाओं के बीच साड़ी का क्रेज बड़ा है। साडि़यों की स्टाइल के साथ ही ब्लाउज के कट पर भी विशेष प्रयोग किए जा सकते हैं। जैसे डीप गला, फुल कवर, फुल आस्तीन जैसी ब्लाउज चलन में हैं।

# वॉशिंग मशीन को साफ करने के घरेलू उपाय, इस ट्रिक से क्लीन करेंगे तो नहीं पड़ेगी सर्विस की जरूरत

ज्यादातर घरों में कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। वॉशिंग मशीन कपड़ों को आसानी से साफ कर देती है, लेकिन इस मशीन को भी साफ सफाई की जरूरत पड़ती है। लगातार लंबे समय तक वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करने से कई बार मशीन अंदर से गंदी हो जाती है। कपड़ों पर जमा मैल, धूल और गंदगी मशीन में फंसने लगती है। खासतौर से फुल ऑटोमैटिक मशीन को समय-समय पर साफ करने की जरूरत पड़ती है। अगर ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन को साफ नहीं किया तो कपड़ों में बदबू आने लगती है और कई बार मशीन में जमा गंदगी कपड़ों पर चिपक जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आसानी से फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को साफ कर सकते हैं। आपको सर्विस की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

### फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को कैसे साफ करें?

**पहला स्टेप-**

इसके लिए सबसे पहले मशीन को खोलकर दरवाजे पर लगी रबड़ को बाहर और अंदर से अच्छी तरह साफ कर लें। रबड़ को थोड़ा बाहर की ओर खींचने से उसमें जमा गंदगी आपको दिखने लगेगी। आप इसे किसी स्पंज की मदद से रगड़कर क्लीन कर लें। हार्पिक डालकर मिनटों में इसे क्लीन किया जा सकता है। आप चाहें तो किसी डिटर्जेंट में नींबू और सोडा मिलाकर घोल बना लें इससे भी सफाई की जा सकती है।

**दूसरा स्टेप-**

अब इसी घोल को आप मशीन के बाहर वाले हिस्सों पर भी लगा दें। अब बाहर भी स्पंज की मदद से रगड़ते हुए वॉशिंग मशीन को क्लीन कर लें। बाहर से मशीन को साफ करने के बाद आप इसके टब की क्लीनिंग कर लें। अगर आपके पास वॉशिंग मशीन क्लीनिंग पाउडर है तो उससे या कोई डिटर्जेंट डालकर टब क्लीनिंग के ऑप्शन पर मशीन को चला दें।

**तीसरा स्टेप-**

अब वॉशिंग मशीन में नीचे पानी निकालने के लिए लगे फिल्टर को निकालकर सारा पानी निकाल दें। कई बार फिल्टर में गंदा पानी जमा होने लगता है। पाइप को टूथब्रेश की मदद से अच्छी तरह क्लीन कर लें। अब सोडा, लिक्विड सोप और विनेगर का घोल बनाकर वॉशिंग मशीन के बाहर और अंदर साइड में लगाकर साफ कर लें।

**चौथा स्टेप-**

अब जहां सर्फ और नील डालते हैं उस ट्रे को निकालकर साफ कर लें। पूरी मशीन को किसी साफ सूखे कपड़े से अच्छी तरह से क्लीन कर लें। सूखे कपड़े से टब को भी साफ कर लें। इस तरह पूरी वॉशिंग मशीन अंदर और बाहर से एकदम साफ हो जाएगी और नई जैसी चमकने लगेगी।

# क्या किचन में जूते-चप्पल पहनकर जाते हैं? बिगड़ता है अग्नि और पृथ्वी तत्व का बैलेंस

भारतीय हिंदू घरों में अक्सर किचन में जूते चप्पल पहनकर जाने से मना किया जाता है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि इसके पीछे धार्मिक और वास्तु से जुड़ी मान्यताएं भी हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई, घर को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, क्योंकि यहीं परिवार के लिए भोजन तैयार होता है। इसलिए इस स्थान की शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है। तो आइए इस आर्टिकल के जरिए विस्तार से जानते हैं कि रसोई में जूते पहनना क्यों भारी जानिए पड़ सकता है।

किचन घर का पवित्र स्थान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की रसोई में पूरे जहां परिवार के लिए भोजन तैयार किया जाता है, इसलिए इसका संबंध सीधे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है, जिन्हें अन्न और पोषण की देवी माना जाता है। इसी वजह से किचन को साफ सुथरा और पवित्र रखना जरूरी माना जाता है।

किचन में जूते चप्पल पहनना क्यों माना जाता है गलत

जूते-चप्पल बाहर की धूल मिट्टी और नकारात्मक ऊर्जा को अपने साथ लेकर आते हैं। जब कोई व्यक्ति जूते पहनकर किचन में प्रवेश करता है तो यह अशुद्धियां भी किचन में पहुंच जाती हैं। इससे रसोई की पवित्रता प्रभावित होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी कम हो सकता है। इसलिए पारंपरिक रूप से किचन में जूते और चप्पल पहनकर जाने से बचने की सलाह दी जाती है।

घर में बढ़ सकती है नकारात्मकता

वास्तु के अनुसार, किचन में जूते पहनकर जाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच तनाव या विवाद की स्थिति भी बन सकती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि इससे घर में सुख शांति और समृद्धि पर असर पड़ सकता है और लक्ष्मी के आगमन में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

अग्नि और पृथ्वी तत्व का संतुलन

वास्तु शास्त्र में किचन का संबंध अग्नि तत्व से माना जाता है। वहीं, जूते चप्पल पृथ्वी तत्व और भारी ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। जब जूते पहनकर किचन में प्रवेश किया जाता है, तो अग्नि और पृथ्वी तत्व के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। माना जाता है कि इससे जीवन में बाधाएं, तनाव या संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

आर्थिक-पारिवारिक समस्याओं की आशंका

किचन घर का ऐसा स्थान है जो पूरे परिवार की समृद्धि से जुड़ा होता है। इस स्थान की पवित्रता का ध्यान नहीं रखा जाता तो घर में आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। साथ ही परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मतभेद और मानसिक तनाव भी बढ़ने की आशंका रहती है। इसलिए रसोई घर की स्वच्छता बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है।

# नियमित रुप से करायें दांतों की जांच

भारत में दांतों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन से संकेत मिलता है कि लगभग 95 प्रतिशत भारतीयों में मसूड़ों की बीमारी है, 50 प्रतिशत लोग टूथब्रश का उपयोग नहीं करते और 15 वर्ष से कम उम्र के 70 प्रतिशत बच्चों के दांत खराब हो चुके हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अनुसार, भारतीय लोग नियमित रूप से दंत चिकित्सक के पास जाने की बजाय, कुछ खाद्य और पेय पदार्थो का परहेज करके स्वयं-उपचार को प्राथमिकता देते हैं। दांतों की सेंस्टिविटी एक और बड़ी समस्या है, क्योंकि इस समस्या वाले मुश्किल से चार प्रतिशत लोग ही दंत चिकित्सक के पास परामर्श के लिए जाते हैं।

### तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा प्रभाव

आईएमए के विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा असर होता है1 तनाव के चलते कई लोग मदिरापान और धूम्रपान शुरू कर देते हैं, जिसका आगे चलकर दांतों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। जागरुकता की कमी के चलते ग्रामीण इलाकों में दांतों की समस्या अधिक मिलती है। शहरों में जंक फूड और जीवनशैली की अन्य कुछ गलत आदतों के कारण दांतों में समस्याएं पैदा हो जाती हैं। प्रसंस्कृत भोजन में चीनी अधिक होने से भी नई पीढ़ी में विशेष रूप से दांत प्रभावित हो रहे हैं।

### रक्तस्राव को न करें नजरअंदाज

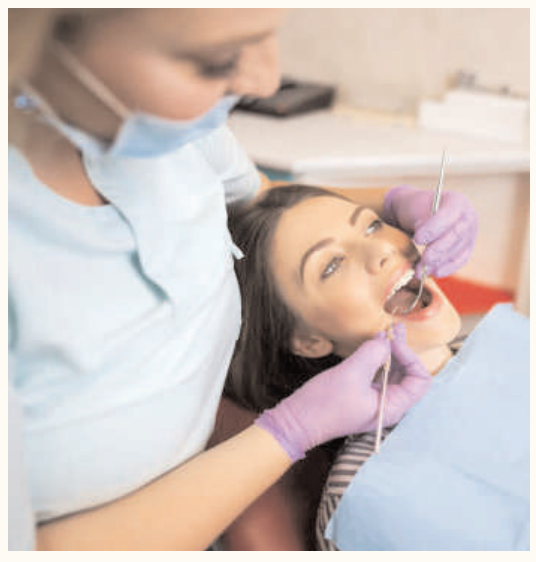



दांतों में थोड़ी सी भी परेशानी को अनदेखी नहीं करनी चाहिए और जितनी जल्दी हो सके, दंत चिकित्सक से मिलना चाहिये। दांत दर्द, मसूड़ों से रक्तस्राव और दांतों में सेंस्टिविटी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वयस्कों के अलावा, दांतों की समस्याएं बच्चों में भी आम होती है। दूध की बोतल का प्रयोग करने वाले शिशुओं के आगे के चार दूध के दांत अक्सर खराब हो जाते हैं।

### दूध की बोतल भी है नुकसानदेह

दूध की बोतल से भी बच्चों के दांत खराब हो सकते हैं। इसलिए माताओं को हर फीड के बाद एक साफ कपड़े से शिशुओं के मसूड़े और दांत पोंछने चाहिए। अगर अनदेखा छोड़ दिया जाए तो दंत संक्रमण से हृदय संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

### दांतों की देखभाल के उपाय

दो बार ब्रश करें।

फ्लॉसिंग उन दरारों को साफ करने में मदद करता है जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता है।

बहुत अधिक चीनी खाने से बचें। स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ भी दांतों के क्षय का कारण बन सकते हैं, क्योंकि चीनी लार में जीवाणुओं के साथ प्रतिक्रिया करके एसिड बनाती है जो दांतों के इनेमल को नष्ट कर देता है।

जीभ को भी रखें साफ

किसी भी असामान्य संकेत की उपेक्षा न करें। यदि मसूड़ों में सूजन हो या खून आ जाए तो दंत चिकित्सक से परामर्श करें।

दांतों की जांच हर छह महीने में कराएं। दांतों की सफाई और एक वर्ष में दो बार जांच-पड़ताल आवश्यक है।

# दवाइयों से बचने के लिए लोग कर रहे हैं फिजियोथेरेपी की ओर रुख

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

मांसपेशियों को सक्रिय करने का तरीका है फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं!

विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथैरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है।

# पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील पहल जारी, पुलिस लाइन फतेहाबाद में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

## पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस की कर्मचारी-हितैषी सोच का एक और सराहनीय प्रयास

### 265 से अधिक पुलिसकर्मियों व उनके परिजनों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

**रजत विजय रंगा ।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य, कल्याण और मनोबल को लेकर दिखाई जा रही संवेदनशीलता एवं आत्मीयता एक बार फिर उस समय देखने को मिली, जब उनके मार्गदर्शन में पुलिस लाइन फतेहाबाद में निःशुल्क मेगा मल्टीस्पेशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में 265 से अधिक पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य जांच करवाई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन का मानना है कि पुलिस विभाग की असली ताकत उसके अधिकारी और कर्मचारी होते हैं, जो दिन-रात आमजन की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा समाज की सेवा में निरंतर लगे रहते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और पारिवारिक कल्याण का ध्यान रखना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी सोच और अपने अधीनस्थ

कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील एवं परिवार जैसी भावना रखते हुए इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करवाया गया, ताकि पुलिस कर्मियों को समय पर स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई जा सकें। शिविर में मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक श्री कुलबंत सिंह पहुंचे, जिन्होंने पुलिस कर्मचारियों और डॉक्टरों से बातचीत कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा इस प्रकार के आयोजनों को पुलिस बल के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों की ड्यूटी अत्यंत चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण होती है, इसलिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है।

**विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं -** शिविर में आईक्यू अस्पताल फतेहाबाद से डॉ. अंकिता, अमृत डेंटल अस्पताल से डॉ. साहिल धवन व डॉ. नेहा तथा हील अस्पताल से डॉ. शीनम नारंग (डाइट एवं न्यूट्रीशन विशेषज्ञ - पोषण एवं जीवनशैली रोग विशेषज्ञ) की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान पुलिस कर्मियों के आंखों की जांच, दंत जांच, डाइट एवं न्यूट्रीशन संबंधी परामर्श, मोटापा एवं उससे होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता सहित कई स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किए गए। जांच के बाद प्रत्येक पुलिसकर्मी को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार चिकित्सकीय सलाह दी गई तथा आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क प्रदान की गईं।

**डॉक्टरों का किया सम्मान -** इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक श्री कुलबंत सिंह ने शिविर में सेवाएं देने पहुंचे डॉक्टरों की टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

**मनोबल पर सकारात्मक प्रभाव -** पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें यह महसूस होता है कि विभाग और वरिष्ठ अधिकारी उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण को लेकर वास्तव में चिंतित और संवेदनशील हैं। इससे पुलिस कर्मियों के मनोबल, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने अपने संदेश में कहा कि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात जनता की सेवा में समर्पित रहते हैं, इसलिए उनका स्वस्थ और सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। फतेहाबाद पुलिस अपने प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को परिवार का सदस्य मानती है तथा उनके स्वास्थ्य, कल्याण और मनोबल को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भविष्य में भी इस प्रकार की कर्मचारी-हितैषी एवं संवेदनशील पहलें निरंतर जारी रखी जाएंगी।

## चिड़ावा में लोकपर्व गणगौर का उल्लासपूर्ण समापन, विधि-विधान से किया गया विसर्जन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अखंड सौभाग्य और लोक-आस्था का प्रतीक 16 दिवसीय गणगौर पर्व शनिवार को विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। नवविवाहित महिलाओं और युवतियों ने सुयोग्य वर की कामना के साथ ईसर-गवरजा की विशेष पूजा-अर्चना कर चूरमे का भोग लगाया। दोपहर बाद पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए पोद्दार कुएं पर विसर्जन की रस्म निभाई। इस दौरान विदाई की सादृश्यता देख कई आंखें नम हो गईं। विसर्जन स्थल पर लगे मेले में अंजलि शर्मा, हंसा शर्मा सेहीवाला, विजयलक्ष्मी,नमस्वी, वैशाली, मोनू, चिक्की सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिरकत की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सामूहिक पूजन के साथ ही फिजां में 'गणगौर पूजण दे माये' के स्वर गूंजते रहें।

## हनुमानपुरा में मनाई सरदार हरलाल सिंह की 44वीं पुण्यतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा ।** शेखावाटी के शेर कहे जाने वाले सरदार हरलाल सिंह की 44वीं पुण्यतिथि शनिवार को उनके पैतृक गांव हनुमानपुरा स्थित स्मारक स्थल पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नरेश खादीवाला ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरदारजी का योगदान सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहा, जिसके कारण क्षेत्र के ग्रामीण लोग पढ़ाई कर आगे बढ़ पाए। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन के साथ-साथ समाज को जागरूक करने में भी सरदार हरलाल सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व सरपंच हरफूलसिंह दूलड़ ने सरदार हरलाल

सिंह के साथ रहने के दौरान अनेक स्मरणों की चर्चा करते हुए सामाजिक विकास में सरकार हरलालसिंह के महत्पूर्व योगदान पर विस्तार से जानकारी दी। राजस्थान अंबेडकर शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष सेवदा ने अपने संबोधन में कहा कि सरदारजी ने सभी जातियों को साथ लेकर चलने, छूआछूत व मृत्युभोज जैसी कुरूतियां का त्याग भी वर्ष 1925 में करवा दिया था। इस तरह के महान लोग धरती पर सैकड़ों वर्षो में एक-दो ही पैदा होते है। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच फूलसिंह, प्रदीप, एडवोकेट विजयपाल दूलड, शिशुपाल नारनोलिया, सुनिल दूलड़, प्रशांत, मनोज, धर्मपाल, अशोक, सुबोध, सुरेश, रोहिताश, भूपेन्द्र, श्रीराम सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवा एवं ग्रामीण जनों ने हिस्सा लेते हुए सरदार हरलाल सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंत में मनीराम सेवदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## संदिग्ध हालात में विवाहिता ने की आत्महत्या, पुलिस ने चिता से उतरवाया शव

### पीहर पक्ष ने दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष पर प्रताडित करने के लगाये गंभीर आरोप।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

**मनोज खंडेलवाल ।** थाना क्षेत्र के जटवाड़ा गांव में शनिवार देर शाम एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। महज 20 वर्षीय कोमल मीणा ने कथित रूप से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली, लेकिन घटना के बाद ससुराल पक्ष द्वारा पीहर पक्ष के पहुंचने से पहले ही अंतिम संस्कार की तैयारी ने पूरे घटनाक्रम को गंभीर संदेहों के घेरे में ला खड़ा किया। सूचना पर सक्रिय हुई मंडावर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चिता पर रखे शव को उतरवाया और अंतिम संस्कार रुकवाते हुए शव को कब्जे में लेकर सीएचसी मंडावर की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया। मृतका के ताऊ हरिसिंह मीना निवासी गनीपुर थाना मानपुर-दौसा ने बताया कि कोमल मीणा पुत्री स्वर्गीय हरसहाय मीणा निवासी गनीपुर थाना मानपुर की शादी 15 मई 2025 को जटवाड़ा निवासी सचिन मीणा पुत्र दिनेश मीणा के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। मृतका के ताऊ हरिसिंह मीणा ने आरोप लगाया कि विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर कोमल को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि सास सुनीता मीणा, देवर अमन मीणा, ससुर दिनेश मीणा और पति सचिन मीणा आए दिन मारपीट करते हुए दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाते थे।

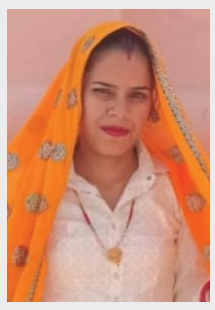

मृतका कोमल मीणा।

थाने के बाहर जमा पीहर पक्ष के लोग

मृतका की मां प्रेमदेवी मीणा ने भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हाल के दिनों में प्रताड़ना और बढ़ गई थी तथा कोमल पर पैसे चोरी करने जैसे आरोप लगाकर उसे अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोमल की सास द्वारा छोटे बेटे के लिए पीहर से पैसे लाने का दबाव भी बनाया जा रहा था। इसे लेकर पूर्व में कई बार सूचना मिलने पर पीहर पक्ष जटवाड़ा पहुंचकर समझाइश कर चुका था, लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। परिजनों का कहना है कि इसी प्रताड़ना से आहत होकर कोमल ने यह कदम उठाया, जबकि वे पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुए हत्या की आशंका जता रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पीहर पक्ष ने 100 नंबर पर पुलिस को सूचित किया और बड़ी संख्या में परिजन जटवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि ससुराल पक्ष द्वारा शव को चिता पर रखकर अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दी गई, जिस पर मंडावर पुलिस मौके पर पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाते हुए शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिये रखवाया। घटना के बाद पीहर पक्ष के लोग बड़ी संख्या में मंडावर थाने के बाहर एकत्रित होकर न्याय की मांग करने लगे। नियमानुसार सूर्यास्त के बाद पोस्टमार्टम संभव नहीं होने के कारण शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है और रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक पीहर पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी हुई है।

### इनका कहना है कि?

मृतका के ससुराल पक्ष द्वारा मृतका द्वारा आत्महत्या एवं पीहर पक्ष द्वारा ससुराल पक्ष पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जाँच में जुटी हुई है मृतका के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी मे पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया है।

**प्रवीण कुमार मीणा,थानाधिकारी मंडावर**

## शिक्षक संघ ने पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

**रमेशचंद ।** मुंडावर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय झझारपुर-2 में कार्यरत पोशाहार कार्यकर्ता फूलपति देवी के असामयिक निधन के बाद, शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए पीड़ित परिवार को संबल प्रदान किया। संगठन के प्रयासों से मात्र कुछ ही दिनों में 2 लाख 12 हजार 500 रुपये की सहायता राशि एकत्र कर मृतका के पति राजेंद्र सिंह प्रजापत को सौंपी गई। फूलपति देवी को एक पागल कुत्ते ने बुरी तरह काट लिया था, जिसके बाद उन्हें जयपुर के दुर्लभजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 12 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद उनका निधन हो गया, जिससे परिवार गहरे आर्थिक संकट में डूब गया। शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला संगठन मंत्री राजेंद्र जाट कोकावास और पीईओ रवि कुमार यादव ने इस त्रासदी की जानकारी मिलने पर व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से

आर्थिक सहयोग की अपील की। मुंडावर ब्लॉक और आसपास के शिक्षकों ने स्वेच्छा से दान किया, जिससे दो लाख से अधिक की राशि जमा हुई। संगठन के पदाधिकारियों ने मृतका के निवास पहुंचकर उनके पति राजेंद्र सिंह प्रजापत को चेक व नकद राशि सौंपी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रवि कुमार यादव, रामकुमार यादव, रतिराम वर्मा, महेंद्र गोठवाल और अन्य शिक्षक मौजूद रहे। परिजनों ने इस संकट की घड़ी में साथ खड़े होने के लिए पूरे शिक्षक समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

## 'ईसर-गौरा की सवारी से गूंजा मंडावर: गणगौर में उमड़ा आस्था का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

**मनोज खंडेलवाल ।** चैत्र शुक्ल तृतीया पर मनाए जाने वाले हिंदू संस्कृति के प्रमुख लोकपर्व गणगौर ने इस बार मंडावर शहर को आस्था, परंपरा और उल्लास के रंग में पूरी तरह रंग दिया, जहां गूंजे गीत, सजी धजी हर एक प्रीत' की कहावत सजीव होती नजर आई और शहर की गलियों से लेकर प्रमुख मार्गों तक ईसर-गौरा की सवारियों ने धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत वातावरण निर्मित कर दिया। सुबह से ही सुहागिन महिलाओं और अविवाहित युवतियों ने आकर्षक पारंपरिक वेशभूषा और आभूषण धारण कर समूहों में संगठित होकर गाजे-बाजे के साथ ईसर-गौरा की सुसज्जित प्रतिमाओं को नगर भ्रमण पर निकाला, जहां पाखर रोड,केशव नगर, गढ़ रोड, गांधी चौक, अस्पताल रोड और बस स्टैंड मार्ग

सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और सामूहिक पूजा-अर्चना के साथ मंगल कामनाओं का दौर चलता रहा। पूरे आयोजन के दौरान सुहागिन महिलाओं ने अपने पति और परिवार की दीर्घायु व सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थनाएं की, वहीं कुंवारी कन्याओं ने उत्तम वर की कामना करते हुए पारंपरिक रीति से व्रत-पूजन किया, जिससे यह पर्व न केवल धार्मिक अनुष्ठान बल्कि सामाजिक आस्था का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा। लोक परंपरा के अनुरूप छोटी-छोटी बालिकाएं ईसर और गौरा के रूप में दूल्हा-दुल्हन बनकर नगर में निकलीं, जो जनसमूह के आकर्षण का केंद्र रहीं, जहां सुहागिन महिलाओं ने उनकी विधिवत पूजा कर उन्हें भेट-दक्षिणा अर्पित करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया, मानो परंपरा की डोर नई पीढ़ी से सशक्त रूप से जुड़ रही हो। गणगौर का यह उत्सव होली के अगले दिन धुलंडी से प्रारंभ होकर पूरे सोलह दिनों तक चलने वाली सांस्कृतिक साधना का प्रतीक है, जिसमें घर-घर में होली की राख और मिट्टी से पिंडियां बनाकर तथा लकड़ी की ईसर-गौरा की प्रतिमाओं की विधिपूर्वक पूजा की जाती है, साथ ही चैत्र नवरात्रि के साथ बोए गए जवारे इस पर्व की आध्यात्मिकता को और गहराई देते हैं। मान्यता है कि माता पार्वती अपने पीहर आगमन पर सखियों के साथ इस पर्व को मनाती हैं और अंत में भगवान शिव उन्हें ससम्मान अपने साथ ले जाते हैं, जो दांपत्य प्रेम, समर्पण और नारी सम्मान का शाश्वत संदेश देता है। महिलाओं द्वारा समूह में गाए गए 'खेलण दो गणगौर' और 'पूजण द्यो गणगौर' जैसे पारंपरिक लोकगीतों की मधुर स्वर लहरियों के साथ घूमर नृत्य ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया, वहीं हाथों में रची मेहंदी और सजे मांडनों ने इस पर्व की सांस्कृतिक सुंदरता को नई ऊंचाई प्रदान की। संध्या समय ईसर-गौरा की प्रतिमाओं का तालाबों और बावड़ियों में विधिवत विसर्जन किया गया, जहां 'बेटी की विदाई सा भाव' हर चेहरे पर झलकता नजर आया और श्रद्धालुओं की आंखें नम हो उठीं– 'रुखसत की घड़ी आई, परंपरा फिर मुस्काई '।

## मालगाड़ी की चपेट से युवक की हुई मौत: हल्दैना अंडरपास के पास हुआ हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

**मनोज खंडेलवाल ।** 'पल भर की चूक, जिंदगी से रूठ '–इस दर्दनाक सच्चाई को सामने लाते हुए मंडावर थाना क्षेत्र के मंडावर-महवा रोड स्थित रेलवे स्टेशन के अधीन हल्दैना रेलवे अंडरपास के पास स्थित रैल्वे ट्रेक पर शनिवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे में मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, और मृतक के परिवार पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नांगल रूपा तहसील कठूमर जिला अलवर निवासी 28 वर्षीय राजेश पुत्र यादराम प्रजापत शनिवार को हल्दैना अंडरपास संख्या-80 के समीप किलोमीटर

115/21 रेलवे ट्रैक पर पहुंचा, इसी दौरान आगरा से बांदीकुई की ओर जा रही खाली मालगाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, घटना की सूचना मिलते ही मंडावर स्टेशन प्रभारी ने तत्काल मंडावर पुलिस को अवगत कराया, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एम्बुलेंस की सहायता से शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर की मोर्चरी में पहुंचाया गया। घटना की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई, वहीं परिजनों को सूचना मिलते ही वे भी मोर्चरी पहुंचे, जहां पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण कर शव उन्हें सौंप दिया। मृतक के बड़े भाई शेरसिंह ने बताया कि राजेश चिनाई का कार्य करता था और बिना बताए घर से निकला था, जिसके बाद इस हादसे की सूचना मिलने पर वे यहां पहुंचे, वहीं राजेश की असमय मौत से उसकी पत्नी सुमन और दो मासूम बेटे विवेक (10 वर्ष) और अनेक (8 वर्ष) बेसहारा हो गए हैं, क्योंकि राजेश ही परिवार का एकमात्र कमाने वाला था, ऐसे में पूरे परिवार के सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है।

## गणगौर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया, महिलाओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

**पवन कुमार शर्मा ।** कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में सुहाग का प्रतीक गणगौर का पर्व परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। सुहागन महिलाओं, नवविवाहिताओं एवं युवतियों ने गणगौर माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अखंड सुहाग और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।छारंडी से आरंभ हुए 16 दिवसीय गणगौर पूजन के अंतर्गत महिलाओं ने नियमित रूप से पूजा-अर्चना की।

इसके साथ ही आसपास की महिलाओं ने भी गणगौर की प्रतिमाओं के समक्ष उपस्थित होकर पूजा की तथा घर में बने विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग लगाकर माता से आशीर्वाद प्राप्त किया।शनिवार शाम को श्रद्धालु महिलाओं ने समूह में पारंपरिक गीत गाते हुए जैसे 'गौर मेरी आवड़ देख बावड़ देख' तथा 'मां मेरो धमको सूणज्ये ए' आदि गीतों के साथ गणगौर की शोभायात्रा निकाली। इसके बाद महिलाएं कुएं के पास पहुंचीं, जहां विधिपूर्वक गणगौर की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर कविता शर्मा, पूजा अग्रवाल, अमता अग्रवाल, प्रेम रूलानियां, रिंकू शर्मा, पुष्पा यादव, मंजू खर्रा, ममता बगड़िया, मंजू देवी, गरिमा शर्मा, महिमा शर्मा, आस्था, मोहनी देवी कुमावत सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

## श्री संयुक्त साथी सेवा मंडल की की ओर से सालासर पदयात्रियों के लिए लगायें जाने वाले सेवा शिविर की तैयारी बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़

सालासर पदयात्रियों की सेवा के लिए लगायें जाने वाले सेवा शिविर की तैयारी को लेकर श्री संयुक्त साथी सेवा मंडल की मीटिंग कैंप स्थल सुरेका हाउस में मीटिंग आयोजित हुई। मीटिंग में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में 30 व 31 मार्च को सालासर बालाजी जाने वाले पद यात्रियों के लिए लगाए जाने वाले निःशुल्क सेवा शिविर एवं मेडिकल कैंप की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया। मीटिंग में सेवा शिविर की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए

अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। शिविर में पद यात्रियों के लिए निःशुल्क मेडिकल कैंप की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसमें सभी प्रकार की आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी।इसके साथ ही शिविर में पद यात्रियों के लिए निःशुल्क चाय, नाश्ता, शुद्ध पेयजल, छाछ, भोजन, फल, शीतल पेय पदार्थ सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं सुव्यवस्थित सेवा शिविर का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया।शिविर का शुभारंभ 30 मार्च को प्रातः 10 बजे संतों के सानिध्य एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में किये जाने व शिविर का समापन 1 अप्रैल को करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर साँवरमल शर्मा, विष्णु मुरारका, ताराचंद चेजारा, सुशील सोनी, अशोक सोनी, गणेश जोशी, पिंटू सुरेका, अमित सोनी, राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरेंद्र गुर्जर, उमेश इंदौरियां, अरुण महर्षि, मोतीलाल जोशी, विकेश शर्मा, रवि काछवाल, गणेश सोनी, अनमोल सुरेका, रोनक चेजारा, नवीन चेजारा, योगेंद्र गर्ग सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

# ढाणी निहालोठ में सड़क के अभाव से जलभराव, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

ग्राम ढाणी निहालोठ में सड़क निर्माण नहीं होने के कारण गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। नालियों का पानी सड़कों पर इकट्ठा होने से जहां एक ओर कीचड़ और गंदगी फैल रही है, वहीं दूसरी ओर लोगों के कीमती मकान भी जर्जर होने लगे हैं।ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव की स्थिति के चलते इस रास्ते से राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। चारों ओर फैली गंदगी और मच्छरों के प्रकोप से महामारी फैलने की आशंका बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है।इस समस्या को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार पंचायत को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई

ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान हुकम सिंह, मनोज, शक्ति सिंह, राहुल, चेतराम, उद्यमी, दयाराम, प्रवीण, प्रेम सिंह, भंवर सिंह, चिरंजी, शक्ति, होशियार सिंह, गूगन, शेखर जाखड़, रोशन, अजीत जाखड़ सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

# लोहार्गल के श्री मिनेष भगवान मंदिर में मीणा समाज के आराध्य देव मत्स्य भगवान का जयंती समारोह, धूम-धाम से मनाया

## मीणा कोम के सरदारों ने लिए कई महत्वपूर्ण फैसले

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

**सुमेर मीणा ।** तीर्थराज लोहार्गल स्थित श्री मीन भगवान मंदिर एवं मीणा धर्मशाला में शनिवार को आदिवासी मीणा समाज के आराध्य देव मत्स्य भगवान जयंती समारोह धर्मशाला एवं मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा की अध्यक्षता में धूम-धाम से मनाया गया द्य जयंती कार्यक्रम में समाज के सरदारों ने धर्मशाला एवं मंदिर के कायाकल्प के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए द्य शादी -विवाह समारोह एवं कई मांगलिक कार्यक्रमों की रस्मों में समाज के लोग लोहार्गल में धर्मशाला के लिए अपनी श्रद्धा अनुसार सहयोग राशि देंगे द्य इसके लिए गांवो में संपर्क कर लोगों को जागरूक किया जाएगा द्य भामाशाहों से संपर्क करके धर्मशाला की दूसरी

## लोहार्गल में होगा समाज का महाकुंभ, दूसरी मंजिला इमारत होगी तैयार, शादी -विवाहो की रस्मों पर शुरू होगा धर्मशाला का नेग (शगुन)

मंजिला भवन को तैयार करवाया जायेगा मुख्य द्वार एवं धर्मशाला के रंग- रोगन एवं रख-रखाव का कार्य किया जाएगा द्य मौके पर धर्मशाला के रख-रखाव के लिए 50,000 का सहयोग जुटा लिया गया है द्य आगामी समय में जल्द ही धर्मशाला में समाज का एक महाकुंभ किया जाएगा, जिसमें सीकर -झुंझुनू -चूरू के अलावा प्रदेश के सेवाभावी लोगों को आमंत्रित किया जाएगा द्य कोषाध्यक्ष मोहन मीणा नांगल ने पटल के ऊपर पुराना लेखा-जोखा समाज के बीच रखा द्य इस अवसर पर समाज के लोगों ने आराध्य देव मत्स्य भगवान की विधिवत पूजा अर्चना कर पुष्प अर्पित किए द्य वक्ताओं ने कहा कि मत्स्य भगवान विष्णु भगवान के प्रथम अवतार हैं, ये चतुर्वेद की रक्षा के लिए अवतरित हुए थे द्य आदिवासी मीणा समाज का उद्गम इन्हीं से हुआ था द्य इस अवसर पर मीणा समाज पूर्व जिला अध्यक्ष बनवारी लाल मीणा उदयपुरवाटी, आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा,मीणा समाज के महामंत्री प्रकाश मीणा गुडा, लोहार्गल के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बोसाना,ताराचंद मीना सीकर , महामंत्री एडवोकेट अशोक मीणा उदयपुरवाटी, प्रभाती लाल उदयपुरवाटी, सोनाराम उदयपुरवाटी, मोहन मीणा नांगल, बचना राम मीणा नांगल, दिनेश मीणा उदयपुरवाटी, मुकेश मीणा उदयपुरवाटी, पूर्व बैंक मैनेजर सत्यनारायण मीणा पापड़ा, सेंटर स्कूल दिल्ली के पूर्व प्रिंसिपल रूडमल मीना पचलंगी, मक्खन लाल मीना सिंगनोर, सुमेर मीणा,बिरजू मीना जोधपुरा, , महावीर मीणा पापड़ा, दिनेश कुमार गुड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे द्य

# बुहाना में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर, गले मिलकर दी मुबारकबाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

एक माह की रमजान की इबादत और रोजेदारी के बाद शनिवार को कस्बे में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे की जामा मस्जिद में मुफ्ती शौकत अली तथा मदीना मस्जिद में हाफिज साजिद अली ने ईद की नमाज अदा कराई।नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां साझा कीं। पूरे कस्बे में भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला।सेवानिवृत्त अध्यापक हाजी दीन मोहम्मद ने सभी को ईद की शुभकामनाएं देते हुए देश में अमन, चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ की। उन्होंने कहा कि यह पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है। इस अवसर पर विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिससे सामाजिक समरसता और एकता

की सुंदर मिसाल देखने को मिली। नमाज में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में रत्न सिंह तंवर, राजपाल सिंह, दशरथ सिंह, एडवोकेट शोकीन अली, थानाधिकारी विमला बुडानिया, रोहिताश सिंह, हरिप्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, गजेंद्र शर्मा, रामसिंह डूडी, दिनेश कुमार, ओमप्रकाश टेलर, ओमनारायण रांगेय, शिवलाल, मनोज कुमार जांगिड़, सुनील शर्मा, मोहम्मद रहीश, सिराजुद्दीन सहित अनेक लोग शामिल रहे।

# ईद-उल-फितर का त्यौहार कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में मनाया हर्षोल्लास के साथ

## नमाजियों ने गले मिलकर दी एक दूसरे को मुबारकबाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा ।** इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में शव्वाल महीने के पहले दिन मनाए जाने वाला ईद-उल-फितर, मीठी ईद कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को बड़ी धूमधाम ओर शांती पूर्ण रूप से मनाया गया। ईदगाह में खुदा की इबादत में हजारों शीश नवाते हुए एक साथ अल्लाह से दुआएं मांगी। मीठी ईद पर कस्बे की सभी मस्जिदों और ईदगाह में ईद की नमाज शहरकाजी ईरशाद अहमद ने अदा करवाई। इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने स्नान-ध्यान के बाद नए कपड़े पहनकर मस्जिद ओर ईदगाह में एकत्र होकर ईद-उल-फितर की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को गले लगाकर मीठी ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर ईदगाह में हजरत मो आमीन कारी ने तकरीर पेश करते हुए कहा कि इस्लाम धर्म में ईद-उल-फितर का एक खास महत्व है। उन्होंने कहा कि ईद के मौके पर नमाज अदा कर दान और जकात करने से बंदे पर अल्लाह की रहमत बरसती है। ईद उल फितर पर नमाज अदा जरूरी बताते हुए कहा कि रमजान महीने के दौरान बंदा अल्लाह पाक के बेहद करीब रहता है। इस दौरान बंदे की तक़रीब अल्लाह से होती है। अल्लाह के करीब रहने और उनकी रहमत पाने के लिए रमजान के दौरान पांचों वक्त की नमाज अदा की जाती है। ईद के मौके पर नमाज अदा कर खुदा से इबादत की जाती है। ऐसा करने से बंदे को खुदा का शबाब मिलता है। ईद-उल-फितर पर ढाई किलो अनाज

या इसके समतुल्य धन पैसे का दान करना चाहिए। यह दान जरूरतमंदों को देना चाहिए। ऐसा करने से बंदे पर अल्लाह पाक की रहमत बरसती है। ईद के त्योहार को लेकर बच्चे-बड़े सभी में उत्साह और उमंग की लहर रही। ईद के अवसर पर घर पर तरह-तरह के पूरी-पकवान,सेवई और विभिन्न प्रकार के बने लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा, पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश कुमार सोनी, पार्षद शशिकांत सैनी, राजघराने के अंगद देव सिंह बन्ना, पार्षद इब्राहिम रंगरेज, अब्दुल रहमान मोम, जाकिर रंगरेज, अशोक तंवर, प्रदीप सोनी , राजेश रणजीरोत, मधु स्वामी सहित हिंदू लोगो ने नमाजियों को ईद की मुबारकबाद दी। पर्व को शांती पूर्ण रूप से सम्पन्न करवाने को लेकर एएसआई संजीव कुमार, विक्रम सिंह, सुरेन्द्र मंडावा के नेतृत्व में प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबंद रही।

# गढ़ परिसर में आयोजित हुआ गणगौर स्नेह मिलन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा ।** कस्बे में राजघराने की चली आ रही परपंराओ का निर्वहन करते हुए सोमवार को गए परिसर में गणगौर स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व धर्म के लोगो ने शिरकत करते हुए गणगौर पर्व की शुभकामएं दी। इस अवसर पर राजवंश के शिर्वाजुन सिंह,अनिरूद्ध सिंह,अंगद देव सिंह बन्ना ने परंपराओ के तहत शाही सवारी में शरीक होने के बाद स्नेह मिलन में आगन्तुको का अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ,पूर्व प्रधान गिरधारीलाल, एडिशनल एसपी राजेंद्र सिंह शेखावत टाई,सरपंच गिरवर सिंह चुड़ी,महिपाल तौलियासर,शिवचरण गाड़ोदिया,पुर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम सैनी,दीपक खांडल,अयुब खत्री,पार्षद एडवोकेट राजकुमार सैनी, डॉ राजेश बाबल,गोविंद जोशी, बलबीर थलिया, किशोर थलिया, संजय चोपदार, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, महेंद्र चंदवा , चंद्रपाल पाटोदा, दलीप सिंह वहीदपुरा, महेश तिहावली, रविन्द्र सिंह तोलियासर, शीशपाल दुलड, अयूब खत्री, इब्राहिम रंगरेज, संजय घुघरवाल, दिनेश धाभाई, मनोज भादूपोता, हरलाल मोगा, सुनील जोशी सहित सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

# महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के राम जानकी हनुमान मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में निर्मित राम जानकी हनुमान मंदिर में माह के प्रत्येक शनिवार को होने वाले साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति शनिवार को सामूहिक रूप से आयोजित हुआ। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि छात्रावास में निर्मित मंदिर में भगवान राम जानकी हनुमान की मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अनवरत रूप में माह के प्रत्येक शनिवार को

सुंदरकांड पाठ हनुमान चालीसा पाठ श्रीराम स्तुति का सामूहिक वाचन किया जाता है। उन्होंने बताया मार्च माह के तीसरे शनिवार को आयोजित सामूहिक सुंदरकांड पाठ समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार माली व कोषाध्यक्ष झाबरमल माली के नेतृत्व में आयोजित हुए। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे। पाठ के बाद सामूहिक आरती कर भगवान का आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद का वितरण किया गया।

# चिड़ावा में ईद की धूमः व्यापारी और रंगरेज मस्जिद पहुंच सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दी मुबारकबाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

खुशियों और भाईचारे का प्रतीक पर्व 'ईद-उल-फितर' शनिवार को चिड़ावा कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम भाइयों के बीच पहुंचकर ईद की खुशियां साझा कीं।सामाजिक कार्यकर्ता मेहर कटारिया, राकेश सोनी और मुकेश सैनी ने कस्बे की प्रमुख व्यापारी मस्जिद एवं रंगरेज मस्जिद पहुंचे और नमाज के बाद गले मिलकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद

की दिली मुबारकबाद दी और क्षेत्र में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। गौरतलब है कि मेहर कटारिया हर वर्ष नियमित रूप से ईद के मौके पर मस्जिदों में पहुंचकर बधाई देने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'त्योहार हमारे समाज को जोड़ने का काम करते हैं और चिड़ावा की यह साझा संस्कृति ही हमारी असली पहचान है।' इस दौरान मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध जनों ने भी हिंदू भाइयों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो शहर के सांप्रदायिक सौहार्द को दर्शाता है।

# परंपरागत रूप से शाही लवाजमे के साथ निकाली गई गढ़ परिसर से गणगौर की सवारी

## गणगौर की पूजा कर महिलाएं कर रही पति की लंबी आयु की कामना, गढ़ परिसर में गणगौर का मेला

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा ।** भारत रंगों भरा देश है . उसमे रंग भरते है उसके भिन्न-भिन्न राज्य और उनकी संस्कृति हर राज्य की संस्कृति झलकती है उसकी वेश-भूषा से वहा के रित-रिवाजों से और वहा के त्यौहारों से हर राज्य की अपनी, एक खासियत होती है जिनमे, त्यौहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत का एक राज्य राजस्थान, जहाँ मारवाड़ीयों की नगरी भी है और गणगौर मारवाड़ीयों का बहुत बड़ा त्यौहार है जो बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है ना केवल, राजस्थान बल्कि हर वो प्रदेश जहा मारवाड़ी रहते है, इस त्यौहार को पूरे रीतिरिवाजों से मनाते है। गणगौर पूजन का बड़ा महत्व है। गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे हर स्त्री के द्वारा मनाया जाता है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर विवाहित स्त्री दोनों ही पूरी विधी-विधान से गणगौर जिसमे भगवान शिव व माता पार्वती का पूजन करती है। इस पूजन का महत्व कुवारी कन्या के लिये अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि विवाहित स्त्री

अपने पति की दीर्घायु के लिये होता है,जिसमे कुवारी कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और विवाहित स्त्री सोलह श्रंगार करके पुरे सोलह दिन विधी-विधान से पूजन करती है। इसी क्रम में चैत्र मास की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला शिव ओर पार्वती के प्रतिक का पर्व आज कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रो में बड़ी धुमधाम ओर उत्साहपुर्वक मनाया गया। पर्व को लेकर नवविवाहिताओ ओर कुवारी कन्याओ में काफी उत्साह बना हुआ था। प्रात:काल से ही सुहागिन महिलाओ ने ईशर ओर गणगौर की प्रतिमाओ का अपने अपने घरो में विधिपुर्वक पजन कर मांगलिक गीत गाये। कुंवारी कन्याओ को मनचाहा वर पाने की कामना को लेकर व्रत रखा वही नव विवाहिताओ ने अखंड सौभाग्य ओर खुशहाल जीवन के लिए गणगौर की पुजा की। पर्व को लेकर राजपरिवार की परंपराओ से गढ़ परिसर में राजवंशियो द्वारा गणगौर माता का पुजन किया गया। सौभाग्य,सुख समृद्वि ओर पारिवारिक खुशहाली के प्रतिक में 16 दिनो तक चलने वाले गणगौर पर्व का शनिवार को पवित्र जल कुएं में मृतियो का विसर्जन के साथ समापन किया गया। महिलाओ ने मिट्टी से बनी प्रतिमाओ को बधाओ गीत गाते हुए गढ़ परिसर में पहुचकर राज परिवार की परंपराओ के बाद निकाली गई शाही सवारी के बाद परिसर में रखी गई गौर ईशर की प्रतिमाओ की परिक्रमा की,तत्पश्चात कुए में मुर्तियो का विसर्जन किया। पर्व को लेकर गढ़ परिसर में मेले का भी आयोजन किया गया। पर्व ओर मेले को लेकर प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबंद रही।

# तीन साल की फरारी पर कानून का वारः पालोदा डबल मर्डर का 10 हजार का ईनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

## मंडावर पुलिस सहित साइबर सेल की सटीक कार्रवाई।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

**मनोज खंडेलवाल ।** 'भागे कितनी दूर, कानून से नहीं बच पाता कसूर '–इस कहावत को चरितार्थ करते हुए थाना मंडावर पुलिस और साइबर सेल दौसा की संयुक्त टीम ने वर्ष 2023 के चर्चित पालोदा दोहरे हत्याकांड में तीन वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के ईनामी आरोपी रामबाबू उर्फ तुलसीराम योगी को जयपुर के सिरसी रोड स्थित मूंडिया रामसर गांव से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है तथा पुलिस की कार्यप्रणाली पर मुहर लगी है। घटनाक्रम के अनुसार 16 जनवरी 2023 को पालोदा गांव में आपसी रंजिश ने हिंसक रूप लेते हुए खूनी संघर्ष का रूप धारण कर लिया था, जहां करीब 30 से 40 हथियारबंद लोगों ने एकजुट होकर हमला बोल दिया और अंधाधुंध फायरिंग करते हुए हीरालाल और अलका की मौके पर ही हत्या कर दी, जबकि नीतू को घायल कर दिया गया और पथराव में एक बकरी भी मारी गई, इस निर्मम वारदात ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया था और मामला दर्ज होते ही पुलिस ने गहन अनुसंधान शुरू कर दिया था, लेकिन मुख्य आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक दौसा के निर्देशन में इस इनामी आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर विशेष रणनीति के तहत तकनीकी और परंपरागत पुलिस संसाधनों का समन्वय किया गया, जिसमें महवा सीओ मनोहरलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी मंडावर प्रवीण कुमार और साइबर सेल प्रभारी प्रेमनारायण शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार प्रयास जारी रखे, वहीं साइबर सेल के कांस्टेबल दशरथ सिंह की तकनीकी दक्षता और सूझबूझ इस कार्रवाई की धुरी साबित हुई, जिन्होंने ओपन सोर्स, गोपनीय सूचनाओं और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी के ठिकाने की सटीक जानकारी जुटाई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी घटना के बाद फरार होकर परिचितों की मदद से जयपुर के मूंडिया रामसर गांव में जा छिपा था, जहां वह मजदूरी कर अपनी पहचान छुपाते हुए रह रहा था और बाद में अपनी पत्नी व बच्चों को भी वहीं बुलाकर परिवार से संपर्क समाप्त कर फरारी काट रहा था, लेकिन कानून की पैनी नजर और तकनीकी निगरानी के आगे उसकी चालाकी ज्यादा दिन टिक नहीं सकी और 20 मार्च 2026 को पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर उसे पकड़ लिया तथा विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

# भक्ति की धारा में डूबा मंडावरः खंडेलवाल धर्मशाला में श्रीमद् भागवत कथा से गूंजा शहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

**मनोज खंडेलवाल ।** 'जहां कथा की गूंज, वहां मन का सुकून '–इसी भाव को साकार करते हुए मंडावर शहर के गढ़ रोड स्थित खंडेलवाल धर्मशाला में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन पूरे धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है, जहां 19 मार्च से शुरू हुआ यह आध्यात्मिक आयोजन 25 मार्च तक निरंतर चल रहा है और शहर का वातावरण पूरी तरह भक्ति रस में सराबोर नजर आ रहा है। इस पावन कथा का वाचन आचार्या राधिका जी के मुखारविंद से किया जा रहा है, जिनके सरल, सरस और भावपूर्ण प्रवचनों ने श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया है, वहीं यह आयोजन परम श्रद्धेय महेशानंद महाराज उर्फ लाल बाबा (बालाहेड़ी वाले) के निर्देशन में संपन्न हो रहा है, जिनके मार्गदर्शन में कथा का प्रत्येक आयोजन अनुशासित और आध्यात्मिक गरिमा

के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाली इस कथा में मंडावर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जहां भजन, कीर्तन और कथा श्रवण के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है और हर कोई 'राम नाम रस पीयो, जीवन सफल बनाओ' की भावना के साथ कथा में लीन नजर आ रहा है। कथा के दौरान आचार्या राधिका जी द्वारा भागवत के प्रसंगों को सरल ग्रामीण भाषा में प्रस्तुत कर धर्म, कर्म और जीवन मूल्यों का संदेश दिया जा रहा है, जिससे श्रोताओं को न केवल आध्यात्मिक शांति मिल रही है बल्कि जीवन को सही दिशा देने की प्रेरणा भी प्राप्त हो रही है, वहीं कथा स्थल पर अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। लाल बाबा ने शहर के समस्त भक्तजनों से अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण करने की अपील करते हुए कहा कि 'भागवत कथा केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का माध्यम है ', और यही कारण है कि प्रतिदिन बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ इस आयोजन की सफलता की गवाही दे रही है। मंडावर में आयोजित यह श्रीमद् भागवत कथा न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनी हुई है, बल्कि सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक जागरण का भी सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है, जहां हर श्रद्धालु यही कहता नजर आ रहा है– 'कथा की छांव में बैठा मन, जैसे मिल गया हो अपना वतन। '

## संक्षिप्त समाचार

### तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण के सर्वे में देरी पर दिल्ली एचसी सख्त

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऐतिहासिक तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण की पहचान के लिए सर्वे

कराने में हुई देरी पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार विरासत को सहेजने के महत्व से इनकार नहीं कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की की पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा जब अदालत अधिकारियों को समन भेजना शुरू करेगी, तब उन्हें इसकी गंभीरता का एहसास होगा। पीठ ने कहा कि सितंबर–2025 से मार्च तक का समय तो सरकार ने सिर्फ सर्वे के लिए एजेंसी तय करने में ही लगा दिया। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने सर्वे प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार महीने का और समय दिया। अदालत ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को सर्वे कमेटी बनाने में ही छह महीने लग गए। इतना ही नहीं कमेटी अब तक यह भी तय नहीं कर पाई कि सर्वे शुरू हो। पीठ ने कहा कि यह सरकार की नहीं हमारी की विरासत है और हमें इसकी रक्षा करनी है। पीठ ने कहा कि सरकार को मूल निवासियों और दुकान खोलने वालों के बीच फर्क करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) डायरेक्टर जनरल द्वारा सर्वे टीम के लिए पुलिस सहायता व सुरक्षा की मांग करने पर पुलिस आयुक्त द्वारा इसकी व्यवस्था कराई जाएगी। अदालत ने कहा कि टीम की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस कमिश्नर की होगी। साथ ही पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि एएसआइ द्वारा नियुक्त की गई सर्वे एजेंसी इस मामले में व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार और जवाबदेह होगी। सुप्रीम कोर्ट से यह मामला हाई कोर्ट को स्थानांतरित किया गया था और हाई कोर्ट विरासत स्थल से अतिक्रमण हटाने और बेदखल किए गए लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने स्मारकों को संरक्षित करने और सभी प्रकार के अतिक्रमणों तथा अवैध निर्माणों से मुक्त कराने पर जोर दिया था।

### रिहायशी इलाकों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों की भी होगी जांच

**पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में आग लगने की घटनाओं पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए

अग्नि सुरक्षा मिशन की शुरुआत की है। प्रदेश के मंत्री आशीष सूद आदेश दिया है कि अब सुरक्षा मानकों में कोई ब्लाइंड स्पाट यानि अनदेखा क्षेत्र नहीं होगा। इस नए अभियान के तहत अब केवल औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आवासीय क्षेत्रों में चल रहे वाणिज्यिक गतिविधियों व प्रतिष्ठानों की भी सघन जांच की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस मिशन में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से आडिट कराने का निर्देश दिया है। ये विशेषज्ञ शहर के हर छोटे–बड़े प्रतिष्ठान की मैपिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कर रहे हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि हर कर्मचारी और हर परिवार को सुरक्षित महसूस करने का हक है, चाहे वे कहीं भी हों। हम दिल्ली से सुरक्षा की अनदेखी के दौर को खत्म कर रहे हैं।

### दिल्ली में दमकल केंद्र के लिए जमीन तो है, पर बजट नहीं

**पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी।** देश की राजधानी में आबादी का दबाव और कंक्रीट का जंगल जिस रफ्तार से बढ़ा है, उस अनुपात में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम आज भी 25 साल पीछे है। सरकारी उदासीनता का आलम यह है कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के पास 13 नए दमकल केंद्रों के लिए जमीन उपलब्ध है, करोड़ों का भुगतान हो चुका है और चारदीवारी भी की जा चुकी है, लेकिन बजट की कमी के चलते एक ईंट तक नहीं रखी गई है। उपनगरी द्वारका इस बदइंतजामी का सबसे खौफनाक चेहरा है। यह इलाका बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही आइजीआइ एयरपोर्ट और इंडियन आयल का डिपो स्थित है। सेक्टर-3 और सेक्टर-20 में दमकल केंद्र के लिए 1999 में जमीन आवंटित हुई थी। 27 साल बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शून्य है। फिलहाल उपनगरी द्वारका केवल एक दमकल केंद्र के भरोसे है। किसी बड़ी अनहोनी की स्थिति में यहां दूरदराज के स्टेशनों से गाड़ियां बुलानी पड़ती हैं, जिससे कीमती समय बर्बाद होता है। पालम में ऐसा देखने को भी मिला, जब स्काई लिफ्ट के लिए गाड़ी कनाट प्लेस से बुलानी पड़ी।

द्वारका के अलावा आनंद पर्वत, बुढनपुर माजरा, नरेला, गाजीपुर में दमकल केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध है। लेकिन इन जगहों पर भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। बुढनपुर माजरा में दकमल केंद्र के साथ ट्रेनिंग सेंटर भी बनना है। वसंत कुंज और ओखला जैसे क्षेत्रों में विभाग की बेबसी का आलम यह है कि वहां पक्की इमारत के बजाय पोर्टा केबिन (टीन के अस्थायी ढांचे) से काम चलाया जा रहा है।

# रैफल्स लॉ स्कूल में आयोजित हुई माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के समग्र कल्याण पर कार्यशाला

**भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।**

**रमेशचंद।** रैफल्स लॉ स्कूल, रैफल्स विश्वविद्यालय, नीकी में 'माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के समग्र कल्याण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण- पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, संरक्षण एवं कल्याण के प्रति विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय अध्यक्ष, प्रो. राजेन्द्र सिंह सांगवान के मुख्य वक्तव्य से हुई, जिसमें उन्होंने वर्तमान सामाजिक-वैधानिक परिप्रेक्ष्य में इस अधिनियम की बढ़ती प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते पारिवारिक ढांचे के कारण वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा के मामलों में वृद्धि हो रही है तथा उनकी गरिमा और कल्याण की रक्षा हेतु संसद द्वारा बनाए गए इस प्रगतिशील कानून की सराहना की। विधि संकाय के डीन, डॉ. प्रणय कुमार आदित्य ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के समक्ष उपस्थित समकालीन चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बढ़ते दुर्व्यवहार के मामलों से संबंधित आंकड़ों का उल्लेख करते हुए अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों जैसे भरण-पोषण के अधिकार, मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल तथा त्वरित एवं प्रभावी निवारण की व्यवस्था को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में डॉ. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा का कारण अधिकार-केंद्रित समाज का बढ़ता प्रभाव है। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं के पालन पर बल देते हुए कहा कि इससे इस प्रकार की समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। आदित्य प्रताप सिंह, विधि संकाय ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से संबंधित ऐतिहासिक एवं संवैधानिक ढांचे पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 के अधिनियम से पूर्व भी धारा 125 सीआरपीसी (अब धारा 144 बीएनएसएस), हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 की धारा 20 तथा महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 के अंतर्गत उपाय उपलब्ध थे। उन्होंने यह भी बताया कि इस अधिनियम का उद्देश्य भरण-पोषण के दावों के लिए सरल, सस्ता एवं त्वरित तंत्र उपलब्ध कराना है। साथ ही उन्होंने उर्मिला दीक्षित बनाम सुनील शरण दीक्षित, (2025) एससीसी के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और देखभाल सुनिश्चित करने में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के डीन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे संस्था की विधिक जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता पुनः सुदृढ़ हुई।

## पालम अग्निकांड: क्या डिजिटल ऑटोमैटिक ताले बने 9 जिंदगियों की मौत के जिम्मेदार, कमरों में फंस गए थे लोग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पालम के राम चौक में हुए भीषण अग्निकांड में सामने आ रहे नए पहलुओं ने हादसे को और भयावह बना दिया है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि घर में लगे अत्याधुनिक बिजली से संचालित डिजिटल ऑटोमैटिक लॉडिजिडिक, आग के दौरान बिजली कटने के बाद बंद हो गए और कई लोग अपने-अपने कमरों में फंस गए।

वहीं, मोटर रूम से आग की शुरुआत, फायर सेफ्टी उपकरणों का विफल होना और बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता आग की चपेट में होना, इन सभी कारणों ने मिलकर नौ जिंदगियों को निगल लिया। जांच में सामने आया है कि घर के लगभग हर कमरे में ऑटोमेटिक डिजिटल लाक लगाए गए थे, जो बिजली से संचालित होते हैं। आशंका है कि आग लगने के बाद घर के एमसीबी ट्रिप हो गए और साथ ही एहतियातन बिजली विभाग ने भी इलाके की बिजली काट दी। ऐसे में ये लाक बंद हो गए होंगे, जिन्हें बिजली आने तक खोला नहीं जा सकता। इसी कारण कई लोग अपने कमरों में ही फंस गए होंगे। वहीं, जांच के दौरान कमल, उनकी पत्नी आशु और उनकी तीन बेटियां नीहारिका, इवानी और जेसिका के शव उनके कमरे के अंदर मिले। बताया जा रहा है कि उनका कमरा अंदर की ओर था, जिससे उन्हें आग का देर से पता चला और तब तक दरवाजे बंद हो चुके थे। वहीं राजेंद्र कश्यप की पत्नी लाडो, जो एक पैर से दिव्यांग थीं, और उनकी बेटी हिमांशी का शव कमरे के बाथरूम में जली अवस्था में मिला। आशंका है कि दरवाजा नहीं खुलने पर दोनों बचने के लिए बाथरूम में चली गईं, जहां पानी की टंकी भी चालू पाई गई, लेकिन धुएं ने उनकी जान ले ली। परिवार ने सुरक्षा के लिहाज से घर और दुकान में फायर सेफ्टी बाल लगा रखी थीं। यह उपकरण आग लगने पर तीन-पांच सेकंड में फटकर आग बुझाने का काम करता है और लगभग 86-107 वर्ग फुट क्षेत्र में प्रभावी होता है। हालांकि इस हादसे में यह भी बेअसर साबित हुआ। आशंका है कि जहां ये उपकरण लगाए गए थे, वहां तक आग पहुंचने से पहले ही आग तेजी से फैल चुकी थी या इनके सक्रिय होने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई गई है कि इमारत के मुख्य द्वार के पास बने मोटर रूम से आग की शुरुआत हुई।

## बानसूर में कुआं पूजन के दौरान 14 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत

**भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।**

**रमेशचंद।** बानसूर उपखंड के ग्राम चूल्हा में एक मांगलिक कार्यक्रम के दौरान एक 14 वर्षीय बालक की खुले कुएं में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक हेमंत कुमार मेघवाल पुत्र सुरेश कुमार कांजीपुरा निवासी है, जो अपने परिवार के साथ कार्यक्रम में शामिल होने आया था बताया जा रहा है कि देर रात करीब 11 बजे हेमंत अचानक खुले कुएं में जा गिरा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और रोटी बैंक की निशुल्क एंबुलेंस की मदद से उसे उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हरसौरा पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से परिवार में मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर है।

## नशीली गोलियों की तस्करी पर रतिया पुलिस का कड़ा प्रहार; मुख्य सप्लायर 'मंगत सिंह उर्फ मंगी' गिरफ्तार

### आरोपी विक्रम उर्फ विक्की की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मुख्य नेटवर्क तक पहुँचाए हाथ; नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान तेज

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद?**

**रजत विजय रंगा।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में जिले को नशामुक्त करने के लिए चलाए जा रहे 'विशेष अभियान' के तहत, थाना शहर रतिया पुलिस ने नशीली गोलियों की तस्करी के मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामले की तह तक जाते हुए नशीली गोलियों के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मंगत सिंह उर्फ मंगी पुत्र जोगिन्दर सिंह, निवासी कवलगढ़, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 मार्च 2026 को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव कवलगढ़ से कमाना की तरफ आ रहे विक्रम सिंह उर्फ विक्की (निवासी कवलगढ़) को काबू किया था।तलाशी लेने पर कब्जे से प्रतिबंधित नशीली गोलियों के पत्ते बरामद हुए थे। आरोपी के खिलाफ थाना शहर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22ष्ट/61/85 के तहत मुकदमा नंबर 64/26 दर्ज किया जाकर आरोपी विक्रम उर्फ विक्की को गिरफ्तार कर लिया गया था। अब इसी मामले में मुख्य सप्लायर आरोपी मंगत सिंह उर्फ मंगी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मंगत सिंह से पूछताछ कर रही है कि वह नशीली गोलियों की यह खेप कहाँ से लेकर आता था और उसके इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

### फतेहाबाद पुलिस का संकल्पः

एसपी सिद्धांत जैन ने स्पष्ट किया है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का लक्ष्य केवल छोटे तस्करों को पकड़ना नहीं, बल्कि नशे की सप्लाई चेन के मुख्य 'किंगपिन' तक पहुँचना है।

## कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम से सावधानः OTP और बैंक कॉल हाइजैक कर खाते खाली कर रहे साइबर ठग

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।**

**रजत विजय रंगा।** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) ने आमजन को साइबर अपराध की नई और गंभीर तकनीक 'कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम' को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन आज बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और व्यक्तिगत पहचान से सीधे जुड़ा हुआ है, जिसका फायदा उठाकर साइबर ठग लोगों के खातों तक पहुंच बना रहे हैं।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस स्कैम में ठग खुद को कूरियर या डिलीवरी कंपनी का एजेंट बताकर लोगों को कॉल करते हैं और पार्सल कन्फर्म करने या पते की पुष्टि का बहाना बनाते हैं। इसके बाद वे एक विशेष यूएसएसडी कोड (जैसे 21, 61, 67 या 401 से शुरू होने वाले) डायल करने के लिए कहते हैं। जैसे ही व्यक्ति यह कोड डायल करता है, उसके मोबाइल में कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो जाती है। इसके बाद पीड़ित के मोबाइल पर आने वाली सभी महत्वपूर्ण कॉल, OTP, बैंक अलर्ट और वेरिफिकेशन कॉल सीधे साइबर ठगों के नंबर पर पहुंचने लगती हैं, जिससे वे आसानी से बैंक खाते, UPI और सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच बना लेते हैं।

**खतरनाक हो सकता है यह स्कैम -** इस तरह की ठगी में पीड़ित को जानकारी तक नहीं होती और उसके खाते से बड़ी रकम निकाल ली जाती है। साथ ही उसकी डिजिटल पहचान और सोशल मीडिया अकाउंट भी खतरे में पड़ जाते हैं।

**बचाव के लिए अपनाएं ये जरूरी उपाय**

पुलिस अधीक्षक ने आमजन को सतर्क करते हुए निम्न सावधानियां बरतने की अपील की है–

- अनजान कॉलर पर भरोसा न करें।
- कूरियर या डिलीवरी के नाम पर कोई कोड डायल न करें।
- कोई भी कंपनी कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिव करने को नहीं कहती।
- मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सेटिंग्स की जानकारी रखें।
- OTP या बैंक डिटेल किसी के साथ साझा न करें।
- अनजान स्क्रू या कॉल को नजरअंदाज करें।
- जल्दबाजी में कोई भी तकनीकी निर्देश न अपनाएं।
- समय-समय पर बैंक और मोबाइल सेटिंग्स की जांच करें।

**फ्रॉड होने पर तुरंत करें यह काम -** यदि किसी को इस प्रकार की ठगी का संदेह हो, तो तुरंत ##002# डायल कर कॉल फॉरवर्डिंग बंद करें। इसके साथ ही अपने बैंक को तुरंत सूचित करें और परिजनों को भी जानकारी दें।

**शिकायत के लिए करें संपर्क -** किसी भी साइबर ठगी की शिकायत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर या cybercrime.gov.in पर दर्ज कराई जा सकती है। समय पर शिकायत करने से आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है।फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सतर्क रहें और इस एडवाइजरी को अधिक से अधिक लोगों तक साझा करें, ताकि साइबर ठगों के मंसूबों को नाकाम किया जा सके।

## अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। इससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए।

## दिल्ली-एनसीआर में ठंडी हवाओं के साथ बूंदाबांदी, 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में लगातार तीन दिन से हल्की बारिश का दौर जारी है। आज शुक्रवार को भी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी से सुबह की शुरुआत हुई। ठंडी हवाओं के साथ बारिश की फुहारों से मौसम भी ठंडा हो गया। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी दिल्ली में तेज हवाओं के साथ वर्षा का दौर जारी रहा। इससे दिन का तापमान तेजी से गिरा एवं मार्च का महीना बीते तीन वर्षों में सबसे अधिक वर्षा वाला बन गया, जिसमें औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री कम 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 0.8 मिमी रिकॉर्ड हुई। लगातार बादल छाए रहने और रुक-रुक कर हुई वर्षा ने कई दिनों से तल्ख गर्मी से जूझ रहे शहर को राहत दी। दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में गुरुवार 19 मार्च तक औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य मासिक औसत 12.6 मिमी है। पिछली बार मार्च में इससे अधिक वर्षा 2023 में दर्ज की गई थी, जब मासिक कुल वर्षा 50.4 मिमी थी।

## प्रदूषण की रोकथाम के लिए पर्यावरण विदों को बजट में चाहिए ठोस प्रावधान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बेहतर पर्यावरण की दिशा में इस बार दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन बजट पेश किए जाने की चर्चा है। ऐसे में 24 मार्च को पेश होने वाले इस बजट से पर्यावरण विशेषज्ञों को भी काफी अपेक्षाएं हैं। वहीं, उनका कहना है कि ग्रीन बजट केवल कागजी दस्तावेज नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें राजधानी की पर्यावरणीय स्थिति में सुधार के लिए कुछ ठोस प्रविधान भी किए जाएं। बजट का आवंटन हो, लेकिन उन्हें खर्च वहां किया जाए, जहां उसके परिणाम निकल सकें। स्थानीय स्तर पर प्रदूषण दूर करने की रणनीति भी बजट में शामिल की जाए।

दिल्ली के पिछले बजटों में संसाधनों को जुटाने पर ध्यान था, लेकिन इस बार बजट में अनुपालन, प्रभाव आकलन एवं जन-भागीदारी लाने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस बार के बजट में क्लीन मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने, दोपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए ईवी को प्रोत्साहित करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यस्ततम घंटों के दौरान निजी वाहनों का उपयोग घटाने की जरूरत पर फोकस करना चाहिए। सड़कों के किनारों को पूरी तरह से पक्का बनाने, पुराने लैंडफिल साइटों का शत-प्रतिशत ट्रीटमेंट करने जैसे कदम भी उठाए जाने चाहिए। इस बजट में क्षेत्रीय सहयोग की भी झलक दिखाई देनी चाहिए। दिल्ली के बजट में गतिशीलता और व्यापक सुधारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें ई-बसों के एक मजबूत बेड़े की खरीद के साथ-साथ मध्यम और भारी माल वाहनों के आक्रामक विद्युतीकरण के लिए ठोस वित्तीय प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इसके अलावा, अब समय आ गया है कि हम केवल प्रदूषण के प्रबंधन से हटकर प्रदूषण के स्रोतों के प्रबंधन पर भी ध्यान दें। इसके लिए डेटा सिस्टम पर खर्च बढ़ाने की आवश्यकता है। बजट में एक व्यापक रणनीति झलकनी चाहिए जो पूरे एनसीआर में उत्सर्जन भार में पूर्ण कटौती का लक्ष्य रखे। - सुनील दहिया, संस्थापक एवं मुख्य विश्लेषक, एन्वायरोकैटेलिस्ट प्रदूषण सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंता का विषय है। अस्पताल के खर्च न केवल आर्थिक संसाधनों की हानि हैं, बल्कि कार्यबल की हानि के साथ-साथ परिजनों के लिए तनाव और चिंता का कारण भी बनते हैं। जीवन रक्षक सेवाओं के नियंत्रण और रोकथाम में निवेश करने से न केवल आम जनता का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि समाज को भी राहत मिलती है। इसलिए दिल्ली के बजट में ऐसे प्रस्ताव, रणनीति व धन आवंटन का समावेश हो, जो वर्तमान व भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य के लिए एक निवेश का काम करे। दिल्ली को कूड़े के पहाड़ से मुक्ति दिलाना, यमुना की सफाई और स्थानीय प्रदूषण की जड़ पर प्रहार को लेकर बजट में लक्ष्यबद्ध तथा ठोस प्रविधान किए जाने चाहिए।

## सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल 2026 से बाहर

- पैर की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे; 28 मार्च को पहला मैच

**हैदराबाद (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 25 साल के एडवर्ड्स को हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले थे, लेकिन अब उन्हें इसके लिए अगले साल तक इंतजार करना होगा। वे 2025 के ऑक्शन में खरीदे गए इकलौते अनकैप्ड (जिन्होंने इंटरनेशनल मैच न खेला हो) विदेशी खिलाड़ी थे। हालांकि, ऑक्शन के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था।

**बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली थी जगह-** जैक एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के सीजन में सिडनी सिक्सर्स के लिए जबरदस्त खेल दिखाया था। उन्होंने 13 मैचों में 19 विकेट झटके और 133 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल ऑक्शन में मोटी रकम मिली थी। बीबीएल फाइनल के चार दिन बाद ही उन्होंने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, वह मैच उनके लिए खास नहीं रहा और उन्होंने 2 ओवर में 25 रन दिए और बल्ले से सिर्फ 5 रन बना सके थे।

## एशियाई कप से बाहर होने के बाद ईरानी टीम का तेहरान पहुंचने पर भव्य स्वागत

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम का यहां लौटने के बाद भव्य स्वागत किया गया जबकि कई खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। मिडफील्डर फातिमा शबान ने कहा, सबसे पहले तो मैं ईरान आकर बहुत खुश हूं क्योंकि यह हमारा देश है। दर्शकों ने झंडे लहराए और कुछ खिलाड़ियों के हाथ में गुलदस्ते भी थे। शबान ने अनुवादित बयान में कहा, मैने सोचा नहीं था कि इतने लोग हमारा स्वागत करने आएंगे। मुझे ईरान की बेटी होने की खुशी है। ईरान की दो महिला खिलाड़ी फातिमा पसंदिदेह और आतिफा रमेजानिसादेह आस्ट्रेलिया में ही रूक गई हैं और ब्रिसबेन रोर क्लब के साथ अभ्यास कर रही हैं। ईरान के महिला एशियाई कप से बाहर होने के बाद कुछ ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी । लेकिन बाद में इरादा बदलते हुए कहा कि वे ईरान लौटना चाहते हैं। ईरान की टीम युद्ध शुरू होने से पहले 28 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट खेलने पहुंची थी।

# आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम

**20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

मीडिया सूत्र और बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

### स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।

**सिलेक्टर्स के जोन बांटे, अगरकर मुंबई में रहेंगे-** चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

### अफगान टीम के खिलाफ टेस्ट में सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

## भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

- एशिया का चौथा देश बनेगा, भुवनेश्वर में होगा आयोजन, अब तक मेडल नहीं

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था।

### भारत को पहली बार मेजबानी मिली

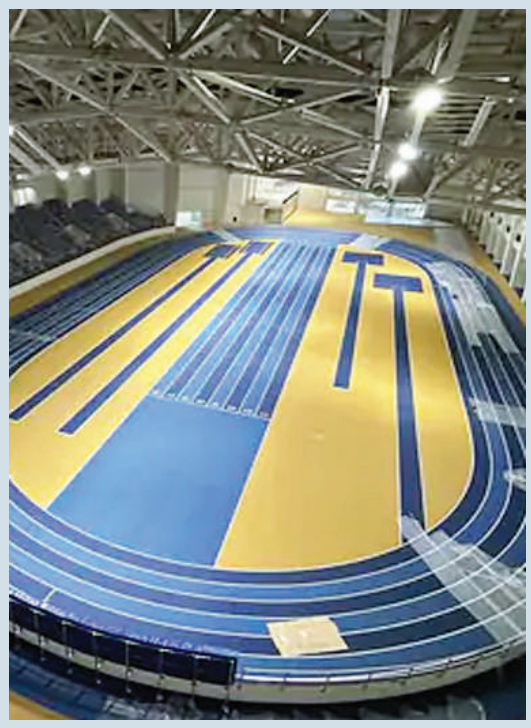

भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी। 2028 में होने वाला यह इसका 22वां संस्करण होगा।

### 2026 का एडीशन पोलैंड में होगा

2026 संस्करण टोरून (पोलैंड) में शुरू होने जा रहा है, लेकिन इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेगा। भारत अब तक इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीत पाया है, जबकि अमेरिका 270 पदकों के साथ सबसे सफल देश है।

### 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा

भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा। 26 नवंबर 2025 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

# आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

**कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली, 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे।

### धोनी और रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके) और रोहित शर्मा (मुंबई) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

### ईशान किशन पहली बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे

ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

श्रेयस अय्यर इकौलते कप्तान जो तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी।

## फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी, राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार 4' का किया ऐलान

**पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।**

### 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी।

### 'सरकार' फ्रेंचाइजी के बारे में

'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। हालांकि फिल्म की कास्ट और कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

## गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, ''लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।''

उन्होंने बताया, ''जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी, जिससे निर्देशक इम्तियाज अली और उनकी टीम को लगा कि मैं खुद ही अपने विचारों को लेकर असमंजस में हूं।''

डोनल ने कहा, ''स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है। यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि मैंने खुद ऐसा कुछ महसूस नहीं किया था।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग आपके आसपास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिए। खासकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।''

## शिल्पा शिरोडकर ने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर की खुलकर बात

शिल्पा शिरोडकर ने 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया। शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह और काम करना चाहती हैं।

### शिल्पा को चाहिए काम

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे काम चाहिए।' उन्होंने बताया कि वो एक वेब सीरीज कर रही हैं औक एक फिल्म भी कर रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। उन्होंने बताया कि वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेंगी। लेकिन उन्हें और काम चाहिए।

### लोगों से मांगती हैं काम

शिल्पा ने ये भी बताया कि वो लोगों से मिलती हैं या उनका नंबर होता है तो बिना झिझक के काम मांगती हैं। वो उन लोगों से कहती हैं, 'भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजेक्ट हो तो दे दो।' उन्हें लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है।

### सोशल मीडिया रहती हैं एक्टिव

शिल्पा इंस्टाग्राम पोस्ट करके अपने सभी फैंस को खुश कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 18' के अपने अच्छे दोस्त चुम और करण वीर मेहरा के साथ एक फोटो शेयर की। तीनों पारंपरिक कपड़ों में दिखे और कैप्शन था, 'मेरे सभी चमवीर के लिए'। फैंस अब उनकी नई फिल्मों और वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

### क्या है शिल्पा का महेश बाबू से रिश्ता

शिल्पा शिरोडकर, 90 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। शिल्पा तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बहन हैं। शिल्पा की छोटी बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है, जिससे वे दोनों करीबी रिश्तेदार बन गए।

# नोरा फतेही

## बोलीं- बिना इजाजत AI से बनाईं तस्वीरें, कन्नड़ नहीं आती.. ट्रांसलेशन के भरोसे थी!

संजय दत्त और नोरा फतेही की अपकमिंग पैन-इंडिया फिल्म 'केडी: द डेविल' का गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' लगातार विवादों में है। गाने में डबल मीनिंग लिरिक्स का इस्तेमाल किए जाने को लेकर यह जनता से लेकर CBFC और दिल्ली पुलिस तक के निशाने पर है। अब फिल्म के इस आइटम नंबर में लीड रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी है। नोरा फतेही ने बताया है कि यह गाना उन्होंने 3 साल पहले कन्नड़ में शूट किया था। क्योंकि उन्हें वो भाषा नहीं आती थी, इसलिए वह पूरी तरह ट्रांसलेशन के भरोसे थीं, और तब जो ट्रांसलेशन उन्होंने सुना उसमें कुछ भी अश्लील नहीं था। नोरा फतेही ने बताया कि कैसे बिना उनकी जानकारी के बगैर गाने की घटिया डबिंग की गई, बल्कि इसके वीडियो में बिना उनसे इजाजत लिए उनकी छवि से बनाई तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया गया। नोरा ने फैंस से अपील की है कि वो स्टार्स से सवाल करने की बजाए फिल्ममेकर्स को घेरें जो डिसीजन मेकर्स हैं।

**3 साल पहले हुई थी शूटिंग, मैंने हां कहा था क्योंकि..**

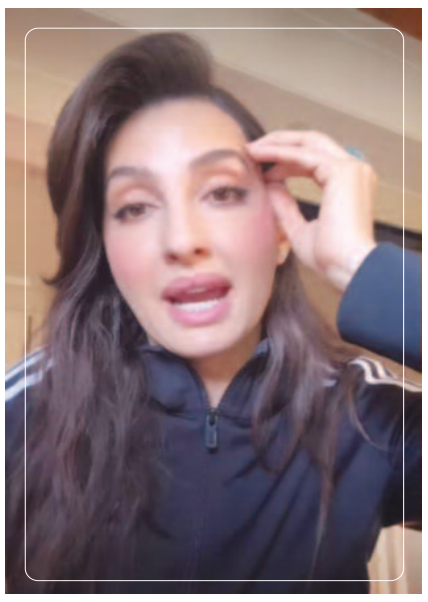

नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करके अपने अभी तक खामोश रहने की वजह बताते हुए कहा है कि उनके एक करीबी दोस्त की मौत हो गई थी और वह एक ऐसी लोकेशन पर थीं, जहां नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। नोरा ने आगे बताया कि यह गाना उन्होंने 3 साल पहले सैंडलवुड में शूट किया था। उन्होंने कहा, मैंने इस गाने के लिए इसलिए हां कहा था क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म थी और मुझे आइकन संजय दत्त के साथ काम करने का मौका मिल रहा था। उन्हें कौन मना करेगा? मुझे लगा था कि यह नायक नहीं खलनायक हूं का रीमेक है। एक्ट्रेस ने कहा कि भाषा की समझ नहीं होने के कारण वह पूरी तरह से ट्रांसलेशन पर निर्भर थीं। नोरा के मुताबिक, उस वक्त सेट पर मेकर्स ने जो ट्रांसलेट करके बताया, उसमें उन्हें गाने के बोल में कुछ भी अश्लील या गलत नहीं लगा था।

**बिना इजाजत AI से बनाईं तस्वीरें, नहीं दी जानकारी**

वीडियो में नोरा ने साफ किया कि इस हिंदी डब वर्जन और लिरिकल वीडियो के लिए उनसे कोई परमिशन नहीं ली गई थी। नोरा ने कहा, उन्होंने मुझसे इजाजत नहीं ली। जब मैं लॉन्च इवेंट में गई, तो मैंने देखा कि लिरिकल वर्जन में मेरी बहुत ही खराब तस्वीरें इस्तेमाल की गई थीं। जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं अपनी हर फोटो अप्रूव करती हूं। इसके अलावा उन्होंने मेरी और संजय दत्त की जो तस्वीरें लगाईं, वे AI जेनरेटेड थीं। मैं पहले से ही AI के सख्त खिलाफ हूं, इसलिए यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया। नोरा ने बताया कि उन्हें हिंदी के इन अश्लील लिरिक्स की कोई जानकारी नहीं थी। नोरा फतेही ने बताया कि लॉन्च इवेंट में जब हिंदी वर्जन प्ले हुआ, तभी नोरा को समझ आ गया था कि इस पर बड़ा बवाल होने वाला है क्योंकि वह हिंदी समझती हैं।

**नोरा फतेही बोलीं- हमारे हाथ में नहीं होता है कंट्रोल**

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने तभी डायरेक्टर को यह चेतावनी दी थी कि इसके कारण बहुत नेगेटिविटी फैलेगी। इसके बाद नोरा ने खुद को इस प्रोजेक्ट के प्रमोशन से पूरी तरह अलग कर लिया था। फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने का दर्द बयां करते हुए नोरा बोलीं, 'हम जैसे आर्टिस्ट, जिनके पीछे कोई पावर नहीं है, जो नेपो किड्स नहीं हैं, हमारे पास बहुत कम कंट्रोल होता है। बॉलीवुड में लोगों ने मेरी राय की इज्जत की है, लेकिन कुछ जगहें ऐसी हैं जहां वे आपकी राय की परवाह नहीं करते।'

## अक्षय कुमार के '3500 रुपये वाली फोटो' के दावे में कितनी सच्चाई? एक्सपर्ट ने किया खुलासा

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार अपनी दरियादिली और बेबाकी के लिए जाने जाते हैं. हाल ही में एक कॉन्क्लेव के दौरान उन्होंने पैपराजी कल्चर और उनकी कमाई को लेकर एक ऐसा दावा किया, वो खूब वायरल हो रहा है. अक्षय ने कहा कि उनकी एक फोटो खींचने के लिए एक फोटोग्राफर को करीब 3500 से 4000 रुपये मिलते हैं. लेकिन क्या वाकई फील्ड पर ऑन ग्राउंड पर काम करने वाले इन फोटोग्राफर की कमाई इतनी मोटी होती है? आइए जान लेते हैं पूरी सच्चाई.पैपराजी की दुनिया को करीब से देख चुके सीनियर फिल्म जर्नलिस्ट मोहम्मद नसीम खान ने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत अक्षय कुमार के इस 'गणित' को डिकोड करते हुए सच्चाई सामने रखी है.

**क्या था अक्षय कुमार का दावा ?**

एक न्यूज चैनल के कॉन्क्लेव 2026 में जब अक्षय कुमार से प्राइवेसी और पैपराजी को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बहुत ही पॉजिटिव अंदाज में जवाब दिया. अक्षय ने कहा, जब मैं एयरपोर्ट से निकलता हूं, तो फोटोग्राफर मेरी फोटो खींचना चाहते हैं. एक फोटोग्राफर को मेरी एक फोटो के करीब 3500-4000 रुपये मिलते हैं. अगर मेरी एक फोटो से उस बेचारे का घर चल जाता है, तो मुझे खड़े होकर फोटो खिंचवाने में क्या दिक्कत है? प्राइवेसी क्या होती है? अगर आप परिवार के साथ बाहर निकले हैं, तो कैसी प्राइवेसी? अक्षय के इस बयान ने लोगों का दिल तो जीत लिया है, लेकिन सच्चाई इससे थोड़ी अलग है.

**बहुत कम होती है पैपराजी की कमाई**

मोहम्मद नसीम खान ने अक्षय कुमार की नीयत की तारीफ तो की, लेकिन उनके आंकड़ों को सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने पैपराजी की कमाई का दिलचस्प गणित समझाते हुए बताया कि अगर अक्षय की बात सच होती, तो पपराजी आज देश के सबसे अमीर प्रोफेशनल्स में से एक होते.

नसीम खान के मुताबिक, अगर एक फोटो के 3000 रुपये भी मिलते हैं, तो एयरपोर्ट पर एक दिन में अगर एक सेलेब्रिटी भी आए और उनकी उन्होंने 5 तस्वीरें खींची तो उन्हें उस दिन के 15 हजार मिल जाते, यानी महीने का लगभग 3.50,000 से 4 लाख, अगर कोई अवॉर्ड फंक्शन होता है, वहां कम से कम 15 सेलिब्रिटीज आते-जाते हैं, यानी उस हिसाब एक फोटोग्राफर दिन के 30,000 से 45,000 रुपये कमा लेता.

## अमेजन प्राइम वीडियो ने खोला एंटरटेनमेंट का पिटारा, दहाड़-पंचायत से लेकर द ट्रेटर्स तक, आने वाले हैं कई शोज

अमेजन ने फिल्मों और सीरीज के मामले में हमेशा फैंस को शॉक किया है. अमेजन के शोज के लिए हमेशा लोगों को इंतजार रहता है. प्राइम वीडियो ने अब तक की अपनी सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल्स स्लेट रिलीज कर दी है, जिसमें अलग-अलग तरह के फॉर्मेट और कई भाषाओं में बनी सीरीज और फिल्में शामिल हैं. इस स्लेट में कई ऐसे शोज हैं, जिन्होंने फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है.प्राइम वीडियो ने आज अपने प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स इवेंट में अब तक की सबसे बड़ी नई ओरिजिनल सीरीज और फिल्मों की अनाउंसमेंट की. इसमें लगभग 55 नई सीरीज और फिल्में शामिल हैं. इस स्लेट में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में कई जबरदस्त ओरिजिनल सीरीज और फ़िल्में शामिल हैं. इनमें स्क्रिप्टेड और अनस्क्रिप्टेड, दोनों तरह की कहानियों के अलग-अलग जॉनर देखने को मिलेंगे.

**पंचायत और फर्जी के अगले सीजन**

लिस्ट की बात की जाए तो इसमें कई बड़े और मच अवेटिड टाइटल्स शामिल हैं, जैसे निक्खिल आडवाणी की 'द रिवोल्यूशनरीज', जिसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पिरजादा नजर आएंगे. इसके अलावा विजय वर्मा की 'मटका किंग'. 'राख', जिसमें अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर हैं. 'लुक्खे', जिसमें रैपर 'किंग' पहली बार एक्टिंग करते नजर आएंगे और 'वंश द कलयुग वॉरियर्स', जो भारत की पहली हिंदी सुपरहीरो सीरीज है.

**ऋतिक-आलिया का कमाल**

इन नई रिलीज के साथ-साथ, इस लाइनअप में भारत की कुछ सबसे लोकप्रिय सीरीज के नए सीजन भी वापस आ रहे हैं. इनमें शाहिद कपूर की 'फर्जी' सीजन 2, 'पंचायत' सीजन 5, 'कॉल मी बे' सीजन 2, 'दुपहिया' सीजन 2, 'दहाड़' सीजन 2 और' द ट्रेटर्स' सीजन 2 जैसी कई सीरीज शामिल हैं.

इस लाइनअप में प्राइम वीडियो के लिए कई नए बड़े टाईअप्स के बारे में भी बताया गया. सुपरस्टार ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म्स अब पहली बार स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रख रही है, जिसमें ओरिजिनल सीरीज 'स्टॉर्म' और ओरिजिनल फिल्म 'मेस' शामिल हैं. वहीं आलिया भट्ट की इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस भी ओरिजिनल फिल्म 'डोंट बी शाय' लेकर आ रही है.

### कुंडली देखकर काम देते हैं प्रोड्यूसर?

# फलक नाज

## ने खोली प्रोडक्शन हाउस की पोल

फिल्म इंडस्ट्री से लेकर टीवी तक, कास्टिंग को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं. अब हाल ही में एक जानी-मानी एक्ट्रेस ने टीवी इंडस्ट्री में कास्टिंग को लेकर सवाल उठाए हैं. वो एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि बिग बॉस ओटीटी 2 फेम और टीवी एक्ट्रेस फलक नाज हैं. फलक नाज अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फोटोज-वीडियोज शेयर करती हैं. हाल ही में फलक नाज ने एक ऐसी पोस्ट शेयर की, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी. अपनी इस पोस्ट में फलक नाज ने टीवी इंडस्ट्री और प्रोडक्शन हाउस को लेकर बात की. इतना ही नहीं, फलक नाज ने किसी का नाम लिए बिना एक प्रोडक्शन हाउस पर गंभीर आरोप लगाए हैं.फलक नाज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर आरोप लगाया कि एक हिट प्रोड्यूसर एक्टर्स को काम देने से पहले उनकी कुंडली (जन्मपत्री) चेक करता है. हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कई फैंस ने अंदाजा लगाया कि वो एकता कपूर की बात कर रही थीं, जिससे ऑनलाइन एक जोरदार बहस छिड़ गई.

**फलक ने किसे मारा ताना ?**

फलक नाज ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहा, पहले इंडस्ट्री में आपको आपके टैलेंट और एक्टिंग स्किल्स के बलबूते काम मिलता था. अब एक नया दौर शुरू हो गया है. अब इंस्टाग्राम फॉलोअर्स देखकर औरजन्म कुंडली देख कर आपका काम दिया जाएगा. एक बहुत हिट प्रोड्यूसर हैं उनके यहां पर ऐसा होता है. हालांकि उन्होंने कोई नाम नहीं लिया, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत अंदाजा कि उनका इशारा एकता कपूर की ओर था.

**फलक नाज को आई कॉल**

टीवी एक्ट्रेस ने आगे कहा, कल मुझे एक कॉल आया था. मैं उस प्रोडक्शन हाउस का नाम नहीं लूंगी. वो ना तो बहुत पुराना है और न ही बिल्कुल नया. उन्होंने मुझे बताया कि एक शो आ रहा है, इस चैनल पर आएगा, ये प्रोडक्शन हाउस है और ये कैरेक्टर है. मैंने कहा, ठीक है, अब आगे क्या करना है? आमतौर पर एक्टर्स या को लुक टेस्ट के लिए बुलाते हैं या मॉक टेस्ट के लिए या फिर रिफरेंस ऑडिशन देते हैं. मुझसे मेरी बर्थ डेट, जगह और टाइम भेजने के लिए कहा गया. एक्ट्रेस ने बताया उस समय तो उन्होंने भेज दिया लेकिन बाद में सोचकर उन्हें बहुत गुस्सा आया.

## संक्षिप्त समाचार

### इस्राइल के आरोप पर गाजा में सहायता सामग्री की होगी जांच

**गाजा, एजेंसी।** यूनीसेफ ने कहा है कि वह इस आरोप की जांच करेगा कि गाजा भेजी गई राहत सामग्री में तंबाकू छिपाकर भेजा गया था। इस्राइल की एजेंसी ने दावा किया कि हाइजीन किट में निकोटिन से जुड़ी चीजें मिली हैं, जिसके बाद सहायता रोक दी गई। यूनीसेफ ने कहा कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और जांच शुरू कर दी गई है। गाजा में पहले से ही हालात खराब हैं और इस तरह की रुकावट से लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

### टेक्सास में मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतरे

**टेक्सास , एजेंसी।** अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इथेनॉल का रिसाव हुआ। यह घटना रिचमंड शहर के पास हुई, लेकिन राहत की बात है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रिसाव को जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया और लोगों के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

### ब्राजील में पुलिस कार्रवाई, ड्रग माफिया समेत आठ मारे गए

**रियो डी जेनेरियो , एजेंसी।** ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक कुख्यात ड्रग माफिया भी शामिल था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ की गई थी। इसके बाद बदमाशों ने एक बस में आग लगा दी और सड़कों को जाम कर दिया। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

### अमेरिका में कोविड मौतों पर नई रिपोर्ट

**वाशिंगटन, एजेंसी।** एक नई स्टडी में सामने आया है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर में अमेरिका में वास्तविक मौतें आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा थीं। रिपोर्ट के अनुसार 2020 और 2021 में करीब 8.4 लाख मौतें दर्ज की गईं, लेकिन लगभग 1.55 लाख मौतें ऐसी थीं जो रिकॉर्ड में शामिल नहीं हो पाईं। यानी करीब 16 प्रतिशत मौतें गिनी ही नहीं गईं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादातर अनगिनी मौतें अस्पताल के बाहर हुईं, जहां लोगों का टेस्ट नहीं हो पाया। खासकर हिस्पैनिक और अन्य गरीब समुदाय ज्यादा प्रभावित हुए। शुरुआती समय में टेस्टिंग की सुविधा कम थी और कई जगह मौत की जांच सही तरीके से नहीं हुई।

### नाइजीरिया में बड़ा हमला नाकाम

**अबूजा, एजेंसी।** नाइजीरिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में सेना ने आतंकियों के एक बड़े हमले को नाकाम कर दिया। सेना के मुताबिक इस कार्रवाई में करीब 80 आतंकी मारे गए। ये हमलावर बोको हराम या इस्लामिक स्टेट से जुड़े हो सकते हैं। हमला रात के समय एक सैन्य बेस पर किया गया था, लेकिन सेना पहले से तैयार थी और उसने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान चार सैनिक घायल भी हुए। हाल ही में इलाके में आत्मघाती हमलों में 23 लोगों की मौत हुई थी, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

### रूसी टैंकर से खतरा- यूरोपीय देशों ने जताई चिंता

**मास्को, एजेंसी।** यूरोप के पांच देशों ने एक रूसी टैंकर को लेकर चिंता जताई है, जो भूमध्य सागर में बिना चालक के बह रहा है। यह जहाज तरलीकृत गैस लेकर जा रहा था और हाल ही में हमले में क्षतिग्रस्त हो गया। नेताओं ने चेतावनी दी है कि इससे बड़ा पर्यावरणीय खतरा पैदा हो सकता है और विस्फोट का भी डर है। इसलिए यूरोपीय संघ से तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है।

### न्यूयॉर्क के जेल में ड्रोन से तस्करी

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक जेल में ड्रोन के जरिए हथियार और अन्य सामान गिराने का मामला सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार ड्रोन ने रात में चाकू, मोबाइल फोन, नशीला पदार्थ और अन्य चीजें जेल परिसर में गिराई। हालांकि कर्मचारियों ने तुरंत सामान बरामद कर लिया। इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

### अमेरिका के भीषण जंगल की आग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की कोशिशें सातवें दिन भी जारी हैं। इस आग में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन जल चुकी है। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली, लेकिन अब मौसम थोड़ा शांत होने से राहत मिली है। फिर भी खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है और अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

# ट्रंप के टैरिफ का उल्टा असर: अमेरिकी उद्योगों को नुकसान, श्रमिक वर्ग भी नाराज; उद्योगपतियों ने उठाए सवाल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** पूरी दुनिया में टैरिफ लगाकर अमेरिकी जजों की भी निंदा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस मुद्दे पर अपने ही देश में अपने ही प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण ट्रंप के लगाए टैरिफ से देश के उद्योगों व निर्माताओं को मदद मिलने के बजाय नुकसान होना है। टैरिफ के फैसले से अमेरिका में कई उद्योग और कारोबार इन दिनों अच्छे-खासे नुकसान में हैं। इससे अमेरिकी विनिर्माण को भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। श्रमिक वर्ग भी इस फैसले से आहत है। ट्रंप के समर्थक उद्योगपति जे. एलन ने कहा, उद्योगपतियों ने इस भरोसे के साथ ट्रंप को वोट दिया था कि रिपब्लिकन नेता करों में कटौती और नियमों में ढील देंगे, जिससे उनके विनिर्माण व्यवसाय को मदद मिलेगी। लेकिन ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मूल में मौजूद टैरिफ ने उनकी कंपनी एलन इंजीनियरिंग कॉर्प को चौपट किया है। आयात करों ने विदेशों में बने इंजनों, स्टील, गियरबॉक्स और क्लच की लागत भी बढ़ा दी है। इसके चलते पावर ट्रॉवेल निर्माण के दाम एक लाख डॉलर तक हो सकते हैं। ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी कारखानों की मदद करने वाला बताया था लेकिन देखने में आ रहा है कि वे वास्तव में देशभर के कई उद्योगों और उत्पादन इकाइयों को कुचल रहे हैं।

**कीमतें बढ़ेंगी, हालात और भी गंभीर :** ट्रंप प्रशासन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित आयात करों के स्थान पर नए टैरिफ बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इससे हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। देश के विनिर्माण उद्योगपति क्रेसन क्रू ने कहा, टैरिफ के कारण उन्होंने 2025 में अपनी कंपनी को घाटे में चलाया। उनके यहां कर्मचारियों की संख्या 205 से घटकर 140 रह गई। बिक्री में कमी पर भी उन्होंने कीमतें 8-10% बढ़ाई हैं।

**कंपनियों के लिए योजना बनाना भी मुश्किल :** अगले दशक में संघीय घाटे में वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक नीति समूह एम्प्लाई अमेरिका के ईडी स्कंदा अमरनाथ ने कहा, ट्रंप के टैरिफ से विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं दिखती। इस क्षेत्र में कोई नया पुनर्जागरण भी नहीं हो रहा है। टैरिफ पर अनिश्चितता ने निवेश को हतोत्साहित किया है। टैरिफ लगाने के लिए कांग्रेस को दरकिनार करने से छोटी विनिर्माण कंपनियों को योजना बनाना भी मुश्किल कर दिया है।

**जजों पर निजी टिप्पणी खतरनाक, इसे रोकना होगा :** सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने चेताया कि संघीय जजों की निजी आलोचना खतरनाक है और इसे रोकना होगा। यह चेतावनी उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाने वाले एक संघीय जज को सनकी, नीच, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू कहने के दो दिन बाद दी। रॉबर्ट्स ने ट्रंप या किसी और को निशाना बनाने से परहेज किया और जोर दिया कि जजों पर हमले किसी एक राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं हो रहे हैं। रॉबर्ट्स ने ह्यूस्टन में कहा, न्यायिक राय की आलोचना न्यायिक पेशे का हिस्सा है और यह स्वस्थ भी हो सकती है। लेकिन जब आलोचना कानूनी विश्लेषण से हटकर दूसरी दिशा में चली जाती है तो मामला अलग हो जाता है।

**जज बोसबर्ग को कहा- सिंड्रोम पीड़ित :** ट्रंप ने न्यायाधीश बोसबर्ग के बारे में लिखा कि वह एक सनकी, दुष्ट, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू जज हैं, जो ट्रंप डिरेजमेंट सिंड्रोम के उच्चतम स्तर से पीड़ित हैं और वर्षों से मेरे लोगों और मेरे पीछे पड़े हैं। पिछले साल, रॉबर्ट्स ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप की बोसबर्ग के महाभियोग की मांग को खारिज कर दिया था।

**एक वर्ष में नौकरियां घटीं...** ट्रंप के सत्ता में आने पर अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां घटी हैं। इससे श्रमिक भी प्रभावित हैं। कारखानों से कर्मचारियों की छंटनी से एक वर्ष में 98,000 विनिर्माण नौकरियां खत्म हो गईं।

**अमेरिकी सैन्य बेस के पास संदिग्ध ड्रोन दिखने से हड़कंप, हेगसेथ-रुबियो वहीं थे मौजूद :**
**वॉशिंगटन , एजेंसी।** पश्चिम एशिया संकट गहराता जा रहा है और पश्चिम एशिया के विभिन्न देश इसकी जद में हैं। अब इसकी आंच अमेरिका की जमीन तक पहुंचती दिख रही है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका के एक सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन मंडराता दिखाई दिया। जिस सैन्य अड्डे पर ड्रोन मंडरा रहा था, उस सैन्य अड्डे में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के आवास हैं। यही वजह है कि इस घटना के बाद अमेरिका में हड़कंप मच गया है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे फोर्ट मैकनेयर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया।

# ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर नेता, वे किसी के दबाव में नहीं: व्हाइट हाउस

**वाशिंगटन, एजेंसी।** व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने साफ कर दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी दूसरे देश के इशारे पर काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता हैं और वे केवल अमेरिका के हित को ध्यान में रखकर ही फैसले लेते हैं।

**जो केंट ने लगाए थे आरोप :** लेविट का यह बयान नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट के इस्तीफे के बाद आया है। जो केंट ने अपने पद से हटने के बाद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने इस्राइल और वहां की ताकतवर लॉबी के दबाव में आकर ईरान के साथ युद्ध शुरू किया है। केंट ने यह भी दावा किया था कि ट्रंप को कोई दूसरा देश नियंत्रित कर रहा है।

**जो केंट के आरोपों पर क्या बोलीं प्रेस सचिव:** इन आरोपों पर पलटवार करते हुए लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने जो केंट को देश की सेवा करने का मौका दिया था। लेकिन उन्होंने झूठ से भरे एक लेटर के साथ इस्तीफा दे दिया। लेविट के अनुसार, ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सेना के प्रमुख हैं और उन्हें कोई नहीं बताता कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ईरान को आतंकवाद का समर्थक नहीं मानता, वह आतंकवाद विरोधी विभाग का प्रमुख नहीं हो सकता।

लेविट ने बताया कि ईरान बहुत तेजी से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहा था ताकि वह परमाणु बम तैयार कर सके। अमेरिकी खुफिया जानकारी के अनुसार, ईरान

अमेरिकी सैनिकों और ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए ट्रंप ने अपनी सेना और संपत्ति की सुरक्षा के लिए ईरान पर हमले का फैसला लिया।

**ट्रंप के चीन दौरे पर क्या बोली प्रेस सचिव :** चीन यात्रा के बारे में लेविट ने बताया कि ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की टीमें नई तारीख तय करने पर काम कर रही हैं। मई में ट्रंप के कुछ जरूरी घरेलू कार्यक्रम हैं, इसलिए फिलहाल यह यात्रा टाल दी गई है। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग भी काफी व्यस्त हैं, इसलिए जल्द ही दोनों पक्ष मिलकर नई तारीखों का एलान करेंगे। जब लेविट से पूछा गया कि क्या जो केंट के इस्तीफे से नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड की नौकरी को कोई खतरा है, तो उन्होंने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है और उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है। लेविट ने यह भी जानकारी दी कि ट्रंप पश्चिम एशिया के संकट को लेकर यूरोपीय और खाड़ी देशों के सहयोगियों से लगातार बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना बहुत सक्षम है और उसके पास अभी भी कई गुप्त रणनीतियां हैं।

# पार्टी 'मैं' केंद्रित राजनीति से ऊपर नहीं उठी तो पुराने दलों से भी बदतर हाल होगा- लामिछाने

**काठमांडू, एजेंसी।** राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सभापति रवि लामिछाने ने चेतावनी दी है कि यदि पार्टी 'मैं' केंद्रित राजनीति से ऊपर नहीं उठ सकी, तो उसका हाल पुराने राजनीतिक दलों से भी खराब हो सकता है। बुधवार को ग्वार्को में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के समापन के दौरान उन्होंने यह बात कही। हाल में लगभग दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंची पार्टी के संदर्भ में उन्होंने सांसदों को संयमित और जिम्मेदार रहने की सलाह दी। सांसदों से उन्होंने जनता का शासक नहीं, बल्कि सेवक बनकर काम करने का आग्रह किया। लामिछाने ने कहा, जनता ने सोच समझकर पार्टी को समर्थन दिया है, इसलिए इसे चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। पुराने दलों को जनता ने 36 साल तक इंतजार किया, हमें 36 दिन भी नहीं मिलेंगे। उन्होंने चेताया, मंत्रिपरिषद गठन को लेकर उन्होंने कहा कि अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। मंत्रिपरिषद का कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

**'राइट टू रिकॉल' व्यवस्था को लागू करने पर जोर :** उन्होंने 'राइट टू रिकॉल' व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की बात कही। लामिछाने ने कहा कि नेपाली जनता ने पार्टी पर अभूतपूर्व भरोसा जताया है, इसलिए उसकी जिम्मेदारी को समझना जरूरी है। इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेन शाह शामिल नहीं हुए। लामिछाने ने उनका नाम भी नहीं लिया।

**फ्रांस लिब्रे- फ्रांस का नया परमाणु चलित युद्धपोत : पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के नए परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत का नाम 'फ्रांस लिब्रे' रखा है। यह जहाज 2038 तक तैयार होगा और इसमें लगभग 30 राफेल लड़ाकू विमान और 2000 सैनिक रहेंगे। इसकी लागत करीब 10 अरब यूरो बताई गई है। मैक्रों ने कहा कि यह नाम फ्रांस की आजादी और ताकत का प्रतीक है। यह जहाज फ्रांस की सैन्य शक्ति को और मजबूत करेगा और खासकर मध्य-पूर्व क्षेत्र में उसकी मौजूदगी बढ़ाएगा।

# गैस फील्ड पर हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे, कतर के ऊर्जा ठिकाने पर हमले के बाद ईरान की धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े तेल ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी ने बताया कि ये हमले 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के 63वें चरण का हिस्सा थे। ईरान ने यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों के जवाब में की है जो पिछले दिनों ईरान पर हुए थे।

ईरानी सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब और अन्य साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए भी थी। ईरान ने साफ किया कि उसका शुरुआती इरादा तेल ठिकानों पर हमला करने या पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। लेकिन जब दुश्मन ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों को

निशाना बनाया, तो ईरान को भी जवाबी हमला करना पड़ा। आईआरजीसी का कहना है कि अब यह युद्ध एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने इस्राइल के भीतर लगभग 80 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें रिशोन लेजियन, रामला, लोद, ईलात और तेल अवीव के पास के कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। इन हमलों में कई वारहेड वाली मिसाइलों और घातक ड्रोनों का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर फिर से हमला हुआ, तो वह दुश्मन के ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर देगा और अगला हमला इससे भी ज्यादा भयानक होगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने फिर से कतर की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया, तो अमेरिका ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह नष्ट कर देगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि कतर या अमेरिका को हालिया हमलों की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी और ईरान ने गलतफहमी में कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला किया है। उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि इजरायल अब इस गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान कतर जैसे निर्दोष देश को निशाना बनाना बंद रखता है। ट्रंप ने साफ किया कि वह ईरान में तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसका भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा, लेकिन कतर पर दोबारा हमला होने की स्थिति में वे सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। इस बीच, ईरान के गैस फील्ड और कतर की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए इन हमलों के कारण वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कीमतें आसमान छूने लगी हैं।

# एपस्टीन फाइल्स विवाद पर अमेरिकी संसद में हंगामा, डेमोक्रेट्स सांसदों ने सदन से किया वॉकआउट

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी संसद में बुधवार को एपस्टीन फाइल्स मामले पर जमकर हंगामा हुआ। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने बुधवार को न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एपस्टीन फाइल्स विवाद में बंद कमरे में ब्रीफिंग देने के विरोध में संसद से वॉकआउट किया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को सवालों के जवाब देने होंगे क्योंकि उन्होंने इसकी शपथ ली है।

अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश बुधवार को कैपिटल हिल पहुंचे थे, जहां उन्होंने एपस्टीन के यौन तस्करी मामले से जुड़ी लाखों फाइलों के प्रबंधन को लेकर बढ़ती नाराजगी को शांत करने की कोशिश की। हालांकि, ब्रीफिंग शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही डेमोक्रेट्स ने व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे बॉन्डी को अगले महीने शपथ के तहत बयान देने के लिए जारी समन को लागू करवाने की मांग करेंगे। डेमोक्रेट सांसदों का कहना है कि उन्होंने बार-बार बॉन्डी से पूछा कि क्या वे समन का पालन करेंगी, लेकिन उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। डेमोक्रेट सांसद मैक्सवेल फ्रॉस्ट ने कहा, 'हम चाहते हैं कि वह शपथ के तहत जवाब दें, क्योंकि हमें उन पर भरोसा नहीं है।'

**रिपब्लिकन सांसदों ने डेमोक्रेट के विरोध को खारिज किया :** वहीं रिपब्लिकन सदस्यों ने डेमोक्रेट्स के इस कदम को राजनीतिक दिखावा करार दिया। उनका कहना है कि बॉन्डी और ब्लांश ने महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए और अटॉर्नी जनरल ने कानून का पालन करने की बात कही है।

न्याय विभाग को उम्मीद थी कि एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से यह राजनीतिक विवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन मामला अब भी सवालों और आलोचनाओं में घिरा हुआ है। यह मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल पर भी असर डालता रहा है। पाम बॉन्डी ने विभाग के कामकाज का बचाव करते हुए डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे इन दस्तावेजों को लेकर उठे विवाद का इस्तेमाल ट्रंप की राजनीतिक उपलब्धियों से ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में आलोचना सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि ट्रंप की अपनी पार्टी के कुछ सदस्यों से भी आई है। ओवरसाइट समिति ने मंगलवार को बॉन्डी को 14 अप्रैल को शपथ के तहत बयान देने के लिए समन जारी किया है। सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग कई महत्वपूर्ण फाइलें छिपा रहा है और दस्तावेजों में की गई कटौती के कारण पीड़ितों की निजी जानकारी उजागर हो गई।

# ईरान युद्ध के खिलाफ इस्तीफा देने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू

**वाशिंगटन, एजेंसी।** ईरान युद्ध के खिलाफ अपने पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व वरिष्ठ आतंकवाद रोधी अधिकारी जो केंट की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल उन पर शक है कि उन्होंने खुफिया जानकारी लीक की। अब अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि क्या जो केंट ने गोपनीय जानकारी को अनुचित तरीके से साझा किया था? जो केंट ने मंगलवार को ही अपने पद से इस्तीफा दिया था, उसके बाद ही यह जांच शुरू हुई।

**इस्तीफे के बाद शुरू हुई जांच :** केंट ने हाल ही में अमेरिका के नेशनल आतंकरोधी सेंटर के निदेशक पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध को लेकर असहमति जताते हुए यह कदम उठाया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले एक वर्ष में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कई जांच शुरू की हैं। इनमें पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटेशिया जेम्स भी शामिल हैं। हालांकि, कई मामलों में अभियोजन पक्ष को अदालतों से झटका लगा है या आरोप तय कराने में मुश्किल आई है।

**केंट ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर उठाए थे सवाल :** जांच के दायरे में किन-किन पहलुओं की पड़ताल की जा रही है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। केंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए ईरान पर सैन्य कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि वे अंतरात्मा की आवाज के खिलाफ जाकर ईरान के साथ युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। उन्होंने अपने बयान में लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था और यह युद्ध इस्राइल और उसकी प्रभावशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया।

वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें हमेशा लगता था कि केंट सुरक्षा के मुद्दे पर कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी टीम में कोई ईरान को खतरा नहीं मानता, तो ऐसे लोगों की हमें जरूरत नहीं है। ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों, जिनमें सीआईए निदेशक जॉन रेटक्लिफ भी शामिल हैं, ने भी केंट के बयान से दूरी बना ली है। बुधवार रात केंट से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

# एनवाईयू अध्ययन में खुलासा: उम्र बढ़ने की चिंता, सेहत का डर तेजी से ले जाता है बुढ़ापे की ओर

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** उम्र बढ़ने को लेकर चिंता, खासकर भविष्य में स्वास्थ्य बिगड़ने का डर, सिर्फ मानसिक तनाव नहीं बल्कि शरीर की जैविक घड़ी को भी तेज कर सकता है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी (एनवाईयू) के एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जो महिलाएं बढ़ती उम्र को लेकर अधिक चिंतित रहती हैं, उनके खून में तेज जैविक उम्र बढ़ने के संकेत दिखाई देते हैं। यह निष्कर्ष 700 से अधिक महिलाओं पर किए गए शोध के आधार पर सामने आया है।

एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ के इस अध्ययन में 726 महिलाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जो मिडलाइफ इन द यूनाइटेड स्टेट्स (एमआईडीयूएस) अध्ययन का हिस्सा थीं। प्रतिभागियों से पूछा गया कि वे उम्र बढ़ने के साथ कम आकर्षक होने, स्वास्थ्य समस्याएं विकसित होने या बच्चों को जन्म देने की उम्र पार कर जाने को लेकर कितनी चिंतित हैं। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों के रक्त नमूनों का विश्लेषण दो स्थापित एपिजेनेटिक क्लॉक्स के माध्यम से किया। पहला क्लॉक डुनेडिनपेस जैविक उम्र बढ़ने की गति को मापता है, जबकि दूसरा ग्रिमएज2 समय के साथ शरीर में जमा हुए जैविक नुकसान का अनुमान लगाता है। परिणामों में पाया गया कि जो महिलाएं उम्र बढ़ने को लेकर अधिक चिंता व्यक्त करती थीं, उनमें डुनेडिनपेस क्लॉक के अनुसार तेज एपिजेनेटिक एजिंग के संकेत मिले।

**क्यों अधिक प्रभावित हो सकती हैं महिलाएं :** अध्ययन की मुख्य लेखिका और एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ की मरियाना रोड्रिग्स के अनुसार, महिलाएं विशेष रूप से उम्र बढ़ने की चिंता के प्रति संवेदनशील होती हैं। सामाजिक अपेक्षाएं, युवावस्था और रूप-रंग को लेकर दबाव, तथा प्रजनन क्षमता से जुड़ी चिंताएं मध्य आयु में तनाव को बढ़ाती हैं। उन्होंने

कहा कि मध्य आयु की महिलाएं अक्सर कई भूमिकाएं निभा रही होती हैं, जैसे अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना। परिवार के बुजुर्गों को बीमार होते देख वे यह सोचकर चिंतित होती हैं कि कहीं उनके साथ भी भविष्य में ऐसा न हो।रोड्रिग्स के शब्दों में, हमारा शोध यह संकेत देता है कि व्यक्तिपरक अनुभव, उम्र बढ़ने के वस्तुनिष्ठ मापदंडों को प्रभावित कर सकते हैं। उम्र से जुड़ी चिंता केवल मनोवैज्ञानिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह शरीर पर वास्तविक प्रभाव छोड़ सकती है।

**मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का गहरा संबंध :** अध्ययन में बताया गया कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य जीवनभर गहराई से जुड़े रहते हैं, भले ही अक्सर इन्हें अलग-अलग समझा जाता हो। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक प्रो. एडोल्फो क्यूवास ने कहा कि यह शोध उम्र बढ़ने की चिंता को एक मापने योग्य और संशोधित किए जा सकने वाले मनोवैज्ञानिक कारक के रूप में पहचानता है, जो जैविक उम्र बढ़ने को प्रभावित करता प्रतीत होता है। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अध्ययन एक ही समय बिंदु पर आधारित है, इसलिए इससे प्रत्यक्ष कारण-परिणाम संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com